



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



OCMYB

वर्ष -12 अंक - 155

प्रयागराज, शनिवार 03 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

मोदी से कैप्टन स्मित बोले-घायल था पर हिम्मत नहीं हारी, विमान नीचे जाता रहा, हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 174 जान बचाने वाले भारतीय पायलट स्मित मच्छर से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। इस दौरान मोदी ने कहा:- 'पूरा देश उनके लिए प्रार्थना कर रहा है और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना कर रहा है। आपके साहस और सूझबूझ से कई लोगों की जान बची।' बातचीत के दौरान स्मित ने बताया कि वह विमान उड़ा रहे थे और एक झटके के बाद नीचे गिर गए, जिससे उन्हें काफी चोटें आईं। इसके बावजूद उन्हें महसूस हो रहा था कि विमान नीचे जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे पता था कि यह आखिरी मौका है। दरवाजा वहीं था और उसे खोल दिया। मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूँ और घटना के दौरान भी ऐसा ही कर रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया।' स्मित ने पीएम को बताया, कैसे बचाई 174 लोगों की जान-मोदी ने स्मित से पूछा कि उस समय क्या हुआ था। इस पर उन्होंने कहा, 'उस समय मैं अपनी जिंदगी के लिए लड़ रहा

था। एक पल ऐसा भी आया, जब मुझे लगा कि अगर मैंने अभी

था कि विमान नीचे जा रहा है। मुझे पता था कि यह आखिरी



कुछ नहीं किया, तो सब खत्म हो जाएगा। मैं नीचे गिर गया था और मुझे काफी चोटें आई थीं।' स्मित ने कहा:- 'मैं 17 साल से विमान उड़ा रहा हूँ और पिछले 11 साल से कैप्टन हूँ। मुझे आँखें बंद करके भी पता चल जाता है कि विमान में क्या हो रहा है। जब मैं नीचे गिरा हुआ था, तब मुझे महसूस हो रहा

मौका है। दरवाजा वहीं था और मैंने उसे खोल दिया।' पीएम से बात करते हुए भावुक हुए स्मित:- पीएम से बात करते हुए स्मित भावुक हो गए। उन्होंने कहा, 'आपका फोन आया, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। माफ कीजिए सर, मैं आपके सामने रो रहा हूँ।' मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरी आपसे बात

होगी।' मोदी ने कहा कि आपने इतना बड़ा काम किया है कि देश का हर नागरिक और दुनिया के लोग आपको देखना और आपसे बात करना चाहते हैं। आपने हनुमान चालीसा के बारे में जो बताया, उसके लिए मैं आपकी मां गीताबेन को प्रणाम करूंगा कि उन्होंने आपको ऐसे संस्कार दिए। मैं आपके पिता भूपेंद्रभाई को भी प्रणाम करूंगा। मोदी ने कहा कि कल जब मेरी सोनलबेन से बात हुई तो मैं हैरान रह गया। वे इतनी शांति और हिम्मत से बात कर रही थीं। मैंने कल्पना भी नहीं की थी कि ऐसी परिस्थिति में वे इतनी सहजता से बात कर पाएंगी। कैप्टन स्मित अभी यूएई के अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें कल सऊदी अरब से एयरलिफ्ट करके अबू धाबी ले जाया गया। यूएई में भारत के राजदूत दीपक मित्तल ने अस्पताल में कैप्टन स्मित और उनके परिवार से मुलाकात की थी। उन्होंने बताया था कि पायलट की हालत स्थिर है और वे तेजी से ठीक हो रहे हैं। उनका मनोबल भी ऊंचा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

मोदी दोस्त, फिर भी जंग रोकने को कहते हैं, उनके पास अच्छे सुझाव-पुतिन, पीएम 5 मौकों पर यूक्रेन जंग का मुद्दा उठा चुके

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वह हर मुलाकात में युद्ध रोकने और शांति का रास्ता निकालने पर बात करते हैं। पुतिन ने मॉस्को में वाल्दाई फोरम के दौरान कहा- 'मोदी मेरे अच्छे दोस्त हैं, फिर भी वे लगातार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात उठाते हैं। वे जल्द युद्ध खत्म करने के पक्ष में हैं। इसके लिए उनके पास अच्छे सुझाव हैं।' पीएम मोदी 5 बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यूक्रेन युद्ध का मुद्दा उठा चुके हैं। पिछले महीने नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स समिट से पहले पुतिन और मोदी के बीच बातचीत हुई थी। इस दौरान पुतिन ने मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति और शांति की कोशिशों के बारे में जानकारी दी थी। फरवरी 2022 में शुरू हुए इस युद्ध को खत्म करने के लिए कई स्तरों पर बातचीत की कोशिशें जारी हैं। इससे कुछ दिन पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भी



कहा था कि रूस यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए भारत की 1.5

हैं, लेकिन पीएम मोदी ने उन्हें बताया था कि भारत की 1.5

भारत की विविधता और एकता से प्रेरणा ली जा सकती है। पुतिन बोले- हमला हुआ तो सारे हथियार इस्तेमाल करेंगे-पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोप के किसी देश पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है। हालांकि, अगर रूस के किसी इलाके पर हमला होता है तो वह अपनी सुरक्षा के लिए अपने सभी हथियारों का इस्तेमाल करेगा। उन्होंने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब कर रहे हैं। पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतना की बाव आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर उसके किसी देश ने रूस के कलिननिनग्राद इलाके को बाकी रूस से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियार भी इस्तेमाल कर सकता है।

अमेरिका ने 9000 सैनिकों वाला युद्धपोत मिडिल ईस्ट भेजा, वो पहले से हैं मौजूद, ट्रम्प बोले थे- मिडर्ट ईलेक्शन के बाद ईरान पर फिर हमला संभव

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी और बढ़ा रहा है। करीब 9 हजार सैनिकों के साथ अमेरिका अपना

के सीजफायर प्लान को भी ठुकरा दिया था। अमेरिकी सेना को ट्रम्प का आदेश का इंतजार- अमेरिकी अधिकारी के हवाले से अल-जजीरा

के मुताबिक यह प्रस्ताव अमेरिका के लिए काफी नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि 3 नवंबर के चुनाव के बाद ईरान पर बमबारी बढ़ाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध को लेकर ट्रम्प ने पिछले हफ्ते संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा था कि अगर वह चाहे तो ईरान को पूरी तरह तबाह कर सकते हैं। अमेरिका का कहना है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना युद्ध के प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। ईरान ने जंग खत्म करने को 7 दिन का प्रस्ताव रखा था- ईरान ने जंग खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात दिन का प्रस्ताव रखा था। इसमें होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत शुरू करने की बात शामिल थी। अमेरिका ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के मुताबिक, ईरान समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए तैयार है। वॉशिंगटन डीसी। इसके बदले वह विदेशों में जमा अपनी संपत्तियों और पैसों पर लगी रोक हटाने और अपना तेल बेचने की अनुमति चाहता है। उन्होंने कहा कि ये मांगें जून में अस्थायी सीजफायर के लिए हुए समझौता ज्ञापन जैसी हैं।



वॉरशिप थियोडोर रूजवेल्ट भी क्षेत्र में भेज रहा है। फिलहाल यूएसएस जॉर्ज डब्ल्यू बुश और यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन पहले से वहां मौजूद हैं। रूजवेल्ट की तैनाती के बाद से अक्टूबर के आखिर तक मिडिल ईस्ट में तीन अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर हो जाएंगे। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान पर नए हमलों की चेतावनी दे चुके हैं। उन्होंने 3 नवंबर को होने वाले मिडर्ट चुनाव के बाद ईरान पर हमले की बात की थी। इसके पहले उन्होंने ईरान

ने बताया है कि नवंबर के आखिर तक ईरान के आसपास अमेरिका के 3 युद्धपोत और 2 मरीन यूनिट तैनात हो सकती हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा है कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आदेश देते हैं, तो अमेरिकी सेना इसके लिए तैयार है। टाइम मैगजीन को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने बताया कि उन्होंने ईरान के हालिया सीजफायर प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने की पेशकश भी की थी, लेकिन ट्रम्प

पाक में ट्रम्प के बेटों की कंपनी ड्रोन यूनिट लगाएगी, भारत की 4 फैक्ट्री तैयार, 3 बनाई जा रहें-2 प्रस्तावित

इस्लामाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटों से जुड़ी पाँवरस कंपनी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन

और पाँवरस के बीच ड्रोन आयात का एमओयू हुआ था। सूत्रों के मुताबिक, प्रोडक्शन में पाक आर्मी की इंटरस्ट्रियल यूनिट भी शामिल

दूतावास में काम कर चुके डिफेंस एक्सपर्ट अविनाश मोहनानी के उन देशों की भी बेच सकेगी जिन्हें अमेरिका सीधे हथियार नहीं देता है। 3. चीन की पाक को मंजूरी क्यों? चीन का पाक में सीपैक के रूप में बड़ा निवेश है। सीपैक बेहद अहम है, पर इसका फायदा नहीं मिल रहा है। बलूचिस्तान-खैबर में चीन खनन नहीं कर पा रहा है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**



यूनिट लगाने जा रही है। एरिक ट्रम्प और डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर की कंपनी ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मई में सीक्रेट मीटिंग की थी। पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन के लिए हरीपुर, रावलपिंडी और तक्षशिला में तीन संभावित मिलिट्री साइट्स चुनी गई हैं। यहां आत्मघाती ड्रोन बनाए जाएंगे। 16 सितंबर को मुनीर

होगी। यूनिट की साइट फाइनल करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी 15 अक्टूबर के बाद अमेरिका जाएंगे। पाकिस्तान फिलहाल चीन और तुर्किये से ड्रोन खरीद रहा है। तुर्किये ने भी पाकिस्तान में ड्रोन प्रोडक्शन का करार किया है। एक्सपर्ट बोले- भारत के लिए खतरा, 4 सवालों में समझिए कैसे:- पाकिस्तान स्थित भारतीय

नेतन्याहू बोले- हमलावर पायलट का ब्रेनवॉश हुआ वह यहूदी विरोधी था, पकड़े जाने पर चिल्लाया- मुझे मार दो

तेल अवीव। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जांच में सामने आया है कि

महिलाओं से हाथ नहीं मिलाता था और दिन में कई बार नमाज पढ़ता था। ओमानी को-पायलट



फ्लाइट में पायलट पर हमला करने वाला आरोपी इस्लामी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित था। नेतन्याहू ने फॉक्स न्यूज से कहा- 'ऐसा लगता है कि पायलट विमान को गिराने की कोशिश कर रहा था। पकड़े जाने के बाद वह क्रू मेंबर्स से बार-बार उसे मार देने की बात कह रहा था। इससे लगता है कि वह आत्महत्या करना चाहता था।' इजराइली मीडिया के मुताबिक, आरोपी के साथ काम कर चुके एक सहकर्मी ने बताया कि वह

ने कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया था और विमान को हाईजैक करने की कोशिश की। इस दौरान विमान कुछ ही मिनटों में हजारों फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन ने कॉकपिट का दरवाजा खोला। इसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने आरोपी को काबू कर लिया। दूसरे पायलटों ने विमान को संभाला और सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित लैंडिंग कराई। हमले के

पीछे की वजह की जांच अभी जारी है। विमान के कॉकपिट में हथियार कैसे पहुंचा, जांच जारी- हमले के बाद जांच में एक अहम सवाल उठ रहा है कि कॉकपिट में हथियार कैसे पहुंचा। एक इजराइली अधिकारी से पूछा गया कि क्या हमले में इस्तेमाल की गई वस्तु आग बुझाने या किसी आपातकालीन प्रक्रिया के लिए कॉकपिट में रखे गए उपकरणों में से एक थी। अधिकारी ने इसकी पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकारी नहीं है कि इस्तेमाल की गई वस्तु किस आपातकालीन उपकरण से जुड़ी थी या नहीं। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि आरोपी की सुरक्षा जांच में कोई चूक हुई थी या नहीं। 9 महीने पहले ही फ्लाईडुबई में नौकरी शुरू की थी- मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आरोपी ने फ्लाईडुबई में करीब 9 महीने पहले नौकरी शुरू की थी। ओमान के एक अधिकारी ने अमेरिकी न्यूज चैनल सीबीएस को इसकी पुष्टि की थी। आरोपी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ट्रम्प बोले- फ्लाईडुबई सहकर्मी पायलट का ईरान कनेक्शन हो सकता है, ऐसा हुआ तो कड़ी कार्रवाई होगी यूएई को सौंपा गया भारतीय पायलट पर हमले का आरोपी

यरुशलम। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि इजराइल जा रहे फ्लाईडुबई से पायलट का ईरान से संबंध हो सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अगर हमले के पीछे ईरान की भूमिका सामने आती है तो

भी क्षतिग्रस्त हो गया था। विमान से भेजे गए थे दो इमरजेंसी कोड- फ्लाइट रडार24 वेब मुताबिक, विमान के कॉकपिट से दो चार अंकों वाले कोड भेजे गए थे। पहला 7700 था, जो सामान्य आपात स्थिति का संकेत देता है। इसके बाद 7500



कोड भेजा गया, जिसका इस्तेमाल विमान में गैरकानूनी हस्तक्षेप या संभावित हाईजैकिंग की स्थिति में किया जाता है। यात्रियों ने बताया- बेहद डरावना था पल-हमले के दौरान कॉकपिट में पहुंचे यात्रियों का संकेत असफ राजूआन ने कहा कि

उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किसकी मदद लें। उन्होंने बताया कि उस समय हर कोई सिर्फ अपनी जान बचाने की कोशिश कर रहा था। क्रू के सदस्यों ने विमान को संभाला और आखिरकार इसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा गया। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। आरोपी को-पायलट ओमान का नागरिक- जांच से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, संदिग्ध ओमान का नागरिक है। उसका नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि उसने कैप्टन पर हमला क्यों किया। आतंकवाद समेत सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है। नेतन्याहू बोले-

विमान हाईजैक होता तो इजराइल मार गिराता, हमलावर से बातचीत की तैयारी भी थी, 9/11 जैसा हमला रोकने के लिए फाइटर जेट्स भेजे

तेल अवीव। इजराइल ने दुबई से उड़ान भरने वाले उस विमान को मार गिराने की तैयारी कर ली थी, जिसके हाईजैक का अलर्ट भेजा गया था। बुधवार को अलर्ट मिलते

कार्रवाई पर फैसला लेना था। टाइम्स ऑफ़ इजराइल ने इसके लिए रिपोर्ट के मुताबिक सरकार को आशंका थी कि विमान का कंट्रोल वापस नहीं मिला, तो वह इजराइल में 9/11 जैसा हमला कर सकता है। खतरा टालने के लिए विमान को हवा में ही मार गिराना पड़ सकता था। भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को



ही फाइटर जेट्स रवाना कर दिए गए थे। विमान में 174 यात्री सवार थे। टाइम्स ऑफ़ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार को आशंका थी कि विमान का कंट्रोल वापस नहीं मिला, तो वह इजराइल में 9/11 जैसा हमला कर सकता है। खतरा टालने के लिए विमान को हवा में ही मार गिराना पड़ सकता था। भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को

उतार लिया गया। हाईजैकर्स से बातचीत के लिए भी तैयार था इजराइल- इजराइल ने इसके लिए भी तैयारी की थी कि हाईजैकर्स विमान में सवार यात्रियों को बंधक बनाकर अपनी मांगें रख सकते हैं। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए इजराइल की राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी यूनिट यामाम को अलर्ट किया गया था। योजना थी कि अगर हाईजैकर्स यात्रियों को छोड़ने के बदले कोई मांग रखते हैं, तो उनसे

बातचीत और बंधकों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई के लिए यह विशेष यूनिट मोर्चा संभालेगी। विमान दूसरे देश में गिरता तो कमांडो भेजता इजराइल- इजराइल ने ऐसी स्थिति के लिए भी तैयारी की थी, जिसमें हाईजैक हुआ विमान उसके बजाय जॉर्डन या सऊदी अरब में क़ैश हो जाता।

ऐसे मौके पर विमान में फंसे यात्रियों और क्रू को बचाने के लिए इजराइली एयरफोर्स की विशेष कमांडो यूनिट शालदाग को भेजने की योजना बनाई गई थी। इसी यूनिट ने ऑपेल में ईरान में अमेरिकी F-16E स्ट्राइक ईगल विमान के क़ैश होने के बाद दो अमेरिकी एयरक्रू सदस्यों को बचाने के अभियान में हिस्सा लिया था।

अगर विमान की हाईजैकिंग का शक तो 4 नियम-1. पहले विमान को सुरक्षित उतारने की कोशिश- अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मुताबिक अगर किसी विमान के हाईजैक होने का शक हो, तो सुरक्षा एजेंसियां पहले उससे संपर्क करने और उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश करती हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बातचीत और बंधकों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई के लिए यह विशेष यूनिट मोर्चा संभालेगी। विमान दूसरे देश में गिरता तो कमांडो भेजता इजराइल- इजराइल ने ऐसी स्थिति के लिए भी तैयारी की थी, जिसमें हाईजैक हुआ विमान उसके बजाय जॉर्डन या सऊदी अरब में क़ैश हो जाता। ऐसे मौके पर विमान में फंसे यात्रियों और क्रू को बचाने के लिए इजराइली एयरफोर्स की विशेष कमांडो यूनिट शालदाग को भेजने की योजना बनाई गई थी। इसी यूनिट ने ऑपेल में ईरान में अमेरिकी F-16E स्ट्राइक ईगल विमान के क़ैश होने के बाद दो अमेरिकी एयरक्रू सदस्यों को बचाने के अभियान में हिस्सा लिया था। अगर विमान की हाईजैकिंग का शक तो 4 नियम-1. पहले विमान को सुरक्षित उतारने की कोशिश- अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मुताबिक अगर किसी विमान के हाईजैक होने का शक हो, तो सुरक्षा एजेंसियां पहले उससे संपर्क करने और उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश करती हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बातचीत और बंधकों को सुरक्षित निकालने की कार्रवाई के लिए यह विशेष यूनिट मोर्चा संभालेगी। विमान दूसरे देश में गिरता तो कमांडो भेजता इजराइल- इजराइल ने ऐसी स्थिति के लिए भी तैयारी की थी, जिसमें हाईजैक हुआ विमान उसके बजाय जॉर्डन या सऊदी अरब में क़ैश हो जाता। ऐसे मौके पर विमान में फंसे यात्रियों और क्रू को बचाने के लिए इजराइली एयरफोर्स की विशेष कमांडो यूनिट शालदाग को भेजने की योजना बनाई गई थी। इसी यूनिट ने ऑपेल में ईरान में अमेरिकी F-16E स्ट्राइक ईगल विमान के क़ैश होने के बाद दो अमेरिकी एयरक्रू सदस्यों को बचाने के अभियान में हिस्सा लिया था। अगर विमान की हाईजैकिंग का शक तो 4 नियम-1. पहले विमान को सुरक्षित उतारने की कोशिश- अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मुताबिक अगर किसी विमान के हाईजैक होने का शक हो, तो सुरक्षा एजेंसियां पहले उससे संपर्क करने और उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश करती हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

गांधी जयंती से पूर्व ज्ञानकुंज के एनसीसी कैडेटों ने संभाली स्वच्छता की कमान!

विद्यालय परिसर में चलाया सफाई अभियान, लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक (आधुनिक समाचार नेटवर्क) जागरूक किया। इस अवसर पर



बलिया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के क्रम में गुरुवार को ज्ञानकुंज एवेंजुमी, बंशी बाजार में एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता अभियान चलाया। शुक्रवार को विद्यालय में अवकाश होने के कारण गांधी जयंती से संबंधित यह कार्यक्रम एक दिन पूर्व ही आयोजित किया गया। अभियान के दौरान एनसीसी कैडेटों ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर किया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने पूरे विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए साफ-सफाई की। कैडेटों ने स्वयं श्रमदान करने के साथ आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के महत्व के प्रति

ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रबंधक डॉ. डीएन सिंह ने कहा कि महात्मा



गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ और बेहतर समाज की बुनियाद माना था। स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विद्यार्थियों में स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी की

शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित एनसीसी कैडेट मौजूद रहे। अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों ने गांधी जयंती के पूर्व ही स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया।

AHMUP के चुनाव संपन्न, अनुज ठाकुर अध्यक्ष और धनजय प्रताप सचिव निर्वाचित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोषाध्यक्ष पद पर मोहित भारती लखनऊ। एसोसिएशन ऑफ



हॉस्पिटल मैनेजर्स, उत्तर प्रदेश (AHMUP) के चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हुए। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से जुड़े हॉस्पिटल मैनेजर्स ने चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। मतगणना के उपरांत चुनाव समिति ने विभिन्न पदों के परिणाम घोषित किए। अध्यक्ष पद पर श्री अनुज ठाकुर निर्वाचित हुए। उन्हें 59 मत प्राप्त हुए। पुरुष उपाध्यक्ष पद पर डॉ. प्रमोद सिंह ने 44 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। महिला उपाध्यक्ष पद पर डॉ. कोमल शुक्ला और डॉ. दरक्षा परवीन को 33-33 मत प्राप्त हुए। मतों की समानता के चलते इस पद पर अंतिम निर्णय कोर/सहायक समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार लिया जाएगा। सचिव पद पर धनजय प्रताप ने 51 मत प्राप्त कर विजय हासिल की। वहीं राज वर्मा को 18 तथा विक्रान्त तिवारी को 3 मत प्राप्त हुए।

हुए। इस पद के चुनाव में 5 मत नोट के पक्ष में पड़े। चुनाव

नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनुज ठाकुर ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे एसोसिएशन की एकजुटता की जीत है। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी और सदस्य मिलकर उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन को सुदृढ़ करने, मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा हॉस्पिटल मैनेजर्स के हितों और अधिकारों के लिए कार्य करेंगे। नवनिर्वाचित सचिव धनजय प्रताप, चिकित्सालय प्रबंधक, लोक बन्धु राज नारायण संयुक्त चिकित्सालय, लखनऊ ने कहा कि चिकित्सालय प्रबंधन के क्षेत्र में प्राप्त अनुभव का उपयोग AHMUP के विकास और संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाएगा।

उन्होंने संगठन को अधिक सशक्त, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के साथ हॉस्पिटल मैनेजर्स की पेशेवर क्षमता, सम्मान, अधिकारों एवं हितों के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी



समिति ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए चुनाव में भाग लेने वाले सभी प्रत्याशियों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ने प्रदेश के हॉस्पिटल मैनेजर्स के पेशेवर विकास, संगठन की मजबूती तथा उनके हितों से जुड़े विषयों पर सामूहिक रूप से कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

गांधी जयंती पर विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। श्री राहुल, सिविल

प्रतिभाग कर विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों



जज सी 0डि0/सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र ने अवगत कराया कि उज्जैन राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के पत्र संख्या-3273/एसएलएसए-224/2026 (कुलदीप/श्रु) दिनांक 21.09.2026 के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार 02 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के अवसर पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों में विशेष विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के किशोरों, बालकों एवं बालिकाओं को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) के संबंध में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि आदर्श इण्टर कॉलेज राबर्टसगंज, संत जेवियर्स उमा0 विद्यालय राबर्टसगंज, गुरुनानक बालिका इण्टर कॉलेज, विन्ध्य सोन इण्टर कॉलेज सजौर, राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज दुदही एवं राजकीय इण्टर कॉलेज घोरावल में न्यायिक अधिकारियों द्वारा

एवं बाल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस

को समझाया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बालक अथवा बालिका की सहमति का विधिक रूप से कोई महत्व नहीं है तथा ऐसे मामलों में कानून के प्रावधानों की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार के लैंगिक अपराध की स्थिति में तत्काल परिजनों, शिक्षक, पुलिस अथवा विशेष किशोर पुलिस इकाई को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, आपातकालीन नंबर 112 तथा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी भी दी गई। शिविरों में एल0ए0डी0सी0, मध्यस्थ अधिकारियों, पैरल अधिकारियों एवं पराविधिक स्वयंसेवकों/अधिकार मित्रों ने भी प्रतिभाग



दौरान चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सर्वश्रेष्ठ कला प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। किशोरों द्वारा विभिन्न नुक्कड़ नाटकों का मंचन कर भी जागरूकता का संदेश दिया गया। राहुल ने बताया कि जागरूकता शिविरों में विद्यार्थियों

किया तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार एवं नालसा द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बैरिक शिक्षा अधिकारी द्वारा भी जनवद के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर एक सप्ताह विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी करेगी-वीरेंद्र यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। समाजवादी पार्टी की जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि दिनांक 2 से 8 अक्टूबर 2026 तक जिला स्तर, तहसील स्तर और ब्लॉक स्तर पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह एवं बोट बचाओ देश बचाओ पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रेस वार्ता कर यह संदेश दिया जाएगा की जिस तरह मुख्य चुनाव आयुक्त एस.आई.आर. की आड़ में वोटों को चोरी कर भाजपा को लाभ पहुंचाया जा रहा है, वह देश के लोकतंत्र के लिए बहुत ही खतरनाक है। उन्होंने कहा कि द्वितीय चरण में विधान सभा स्तर पर बैठके आयोजित कर कार्यकर्ताओं को संगठित करते हुए आयोजित मार्च को सफल बनाए जाने की कार्यवाही की जाएगी। तीसरे चरण में पार्टी बड़े पैमाने पर जिले स्तर पर मार्च आयोजित कर बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा को लैजिस्ट्रेट कार्यालय तक मार्च किया जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय एवं भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 को सार्वजनिक रूप से सार्वभौमिक वयस्क अधिकार के अग्ररूप करवाई किए जाने हेतु चुनाव आयोग को बाध्य किया जाएगा। वीरेंद्र यादव ने यह भी कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और सरकार को चाहिए कि उन्होंने जो वोट चोरी की है उसका मुकदमा दर्ज कर दंडित किया जाना चाहिए।

नासिक में 31 अक्टूबर से शुरू होगा 'सिंहस्थ कुंभ 2026', आस्था और संस्कृति का महासंगम

नासिक। नासिक की पावन धरती पर आगामी 31 अक्टूबर

होगा। आयोजन में गोदावरी के स्नान, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के



2026 से 'सिंहस्थ कुंभ 2026' के आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू होने का दावा एक प्रचार पोस्टर में किया गया है। पोस्टर के अनुसार यह आयोजन इनासिक-त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र में धार्मिक आस्था, संस्कृति, साधना और सेवा का प्रमुख केंद्र दर्शन, ध्यान-साधना, सात्विक भोजन और तीर्थ-यात्रा जैसी गतिविधियों को प्रमुखता दी गई है। आयोजकों ने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित तीर्थ-यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की बात कही है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 42वीं

सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए



वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक माह विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सितंबर 2026 में सरदार पटेल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध एवं विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस परिवारीजनों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके सराहनीय प्रदर्शन पर 42वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर

भविष्य में भी निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर सहायक सेनानायक देव नारायण यादव, सहायक सेनानायक वेद प्रकाश राय, शिविरपाल श्री अरविंद गुप्ता, सहायक शिविरपाल श्री हरदास, सुबेदार मेजर श्री सुधांशु कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान के प्रति जागरूकता एवं प्रेरणा उत्पन्न करना रहा।

अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनका योगदान के प्रति जागरूकता एवं प्रेरणा उत्पन्न करना रहा।

42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज में 2 अक्टूबर का विशेष आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रपिता महात्मा

अभियान चलाकर वाहिनी परिसर के आवासीय एवं



गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर वाहिनी में श्रद्धा एवं देशभक्ति के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेनानायक श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव, आईपीएस की उपस्थिति में क्वार्टर गार्ड की सशस्त्र सेरेमोनियल सलामी दी गई तथा दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। ब्रास बैंड द्वारा रामधुन एवं देशभक्ति की धुनों का वादन किया गया। इसी क्रम में बृहद स्वच्छता

अनावासीय भवनों, प्रशासनिक भवन, परेड ग्राउंड, खेल मैदान और अन्य स्थानों की साफ-सफाई की गई। वहीं, सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुलिस परिवारीजनों के बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज-स्वच्छता, राष्ट्रसेवा और राष्ट्रीय एकता के संकल्प के साथ।

जे. एस. पी. महाविद्यालय कसया कला में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिले के विकास खंड

एवं विशिष्ट अतिथियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी

शिक्षण संस्थानों की सहभागिता: इस अवसर पर जे. एस. पी.



करमा अंतर्गत कसया कला स्थित जे. एस. पी. महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रसन्न पटेल (जिला महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी), सोनभद्र एवं प्रबंध निदेशक, पारस सिंह कॉलेज ऑफ फार्मसी रहे। कार्यक्रम की मुख्य झलकियां- महापुरुषों को नमन: मुख्य अतिथि

के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संदेश दिया। संस्थान के प्रमुख एवं अतिथिगण: कार्यक्रम में संस्थापक बाबू पारसनाथ सिंह, उप प्रबंधक ममता सिंह (हंस एलएक्स पब्लिक स्कूल), डॉ. दशरथ, डॉ. प्रकाश कुमार, डॉ. प्रदीप कुमार, विकास मेहता (यूपी वाले), राजकुमार मौर्य, रंजना मौर्य, कृतिका सिंह मौर्य एवं हिना सिंह मौर्य उपस्थित रहे। विभिन्न

महाविद्यालय, इन्द्र प्रताप बी. टी. सी. कॉलेज, सरदार वल्लभभाई पटेल आई. टी. आई., पारस सिंह कॉलेज ऑफ फार्मसी, जे. एस. पी. महाविद्यालय तथा हंस एलएक्स पब्लिक स्कूल कसया कला के शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा दोनों महान विभूतियों के विचारों, सत्य, अहिंसा और सादगी के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया।

सपा नोएडा महानगर ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा आज सपा नोएडा महानगर कैप कार्यालय, का संदेश दिया, जबकि शास्त्री जी ने अपने आचरण से सादगी और ईमानदारी की मिसाल कायम की। आज आवश्यकता रूप से हटाए जाने से संबंधित कई मामलों सामने आए हैं। इन मामलों को लेकर समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा उपलब्ध



सेक्टर-53, कंचनजंगा मार्केट, नोएडा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की। संचालन महानगर महासचिव विकास यादव वें द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजवादी पार्टी वें पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों और देश के प्रति योगदान को याद किया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सामाजिक एकता के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। आज के समय में दोनों महान नेताओं के विचार समाज और देश वें लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी उनके बताए रास्ते पर चलते हुए सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और आम जनता के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। पूर्व जिला अध्यक्ष वीर सिंह यादव एवं प्रदेश सचिव जयकरन चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि महात्मा गांधी जी और लाल बहादुर शास्त्री जी का पूरा जीवन देश और समाज के प्रति समर्पित रहा। गांधी जी ने देशवासियों को सत्य और अहिंसा की शक्ति

वरिष्ठ नागरिक दिवस पर आयोजित हुआ शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा10 जनपद



न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली अनिशा के दिशा-निर्देशन में 01 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वृद्धजन आवास (बृद्धाश्रम), आई0टी0आई0 कैम्पस दूरभाष नगर, रायबरेली में वृद्धजनों के विधिक अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।



विषय पर जानकारी दी गयी एवं बताया गया कि किसी भी प्रकार की निशुल्क विधिक सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली वें कार्यालय में किसी कार्यदिवस में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शिविर में वरिष्ठ जन के भरण-पोषण, वरिष्ठ नागरिक अधिकार एक्ट 2007 वें प्रावधान, वृद्धावस्था पेंशन व प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के

प्राधिकरण, रायबरेली द्वारा संचालित लीगल एड क्लीनिक कुण्डौली बख्शवाँ में वरिष्ठ जन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ जन हेतु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शिविर में वृद्धाश्रम के अधीक्षक धनंजय प्रताप सिंह, लेखाकार हिमंशु सिंह, सेवादार नीलम श्रीवास्तव, जमुना प्रसाद, डाटा इन्टी आपरेटर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह व अमिता गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

कोरोना काल में दिवंगत पत्रकारों को नोएडा मीडिया क्लब ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, स्मृति वन में गुंजे स्मृतियों के स्वर विधायक पंकज सिंह बोले- कठिन परिस्थितियों में भी पत्रकारों ने निभाया जनसेवा का दायित्व, उनका योगदान सदैव रहेगा अविस्मरणीय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। कोरोना महामारी के भयावह दौर में अपनी जान की



परवाह किए बिना पत्रकारिता के दायित्वों का निर्वहन करते हुए दुनिया को अलविदा कहने वाले पत्रकार साथियों की स्मृति में शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब की ओर से सेक्टर-73 स्थित स्मृति वन में श्रद्धांजलि सभा एवं स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिवंगत पत्रकारों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, समर्पण और पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता को याद किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने की। कार्यक्रम के दौरान स्मृति वन में स्थापित स्मारक पर दिवंगत पत्रकारों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। उपस्थित अतिथियों और पत्रकारों ने कोरोना काल की उन कठिन परिस्थितियों को याद किया, जब संक्रमण के खतरे के बीच भी पत्रकार लगातार मैदान में रहकर आमजन तक सूचनाएं पहुंचाने और जनहित के मुद्दों को उठाने में जुटे रहे। इस अवसर पर विधायक पंकज सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान पत्रकारों ने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखा। जब पूरा देश संकट के दौर से गुजर रहा था,

दिवंगत पत्रकारों का योगदान समाज और पत्रकारिता जगत के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा। नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि कोरोना काल में बिछड़े पत्रकार साथी केवल पत्रकारिता जगत की क्षति नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति हैं। उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखना और उनके योगदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। गौरतलब है कि नोएडा मीडिया क्लब द्वारा देशभर में कोरोना महामारी के दौरान दिवंगत हुए पत्रकारों की स्मृतियों को संजोने और उनके योगदान को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से स्मृति वन में स्मारक का निर्माण कराया गया है। यह स्मारक उन पत्रकारों के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने कठिनतम परिस्थितियों में भी अपने पेशे की गरिमा को बनाए रखा। श्रद्धांजलि सभा का माहौल भावुक रहा। उपस्थित लोगों ने दिवंगत पत्रकार साथियों को नमन करते हुए उनके अधूरे सपनों और पत्रकारिता के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत

इस दौरान पूरा स्मृति वन शोक और सम्मान के भाव से भर उठा। सभी ने दिवंगत पत्रकारों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। श्रद्धांजलि सभा में मीडिया क्लब के महासचिव जय प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष अमित चौधरी, सचिव जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनोज वत्स, कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद शर्मा के अलावा वरिष्ठ पत्रकार आरपी रघुवंशी, मोहम्मद आजाद, विनोद शर्मा, वीरेंद्र मलिक, ए. के. लाल, देवमणि शुक्ला, नोएडा विधायक पंकज सिंह, सांसद डॉ. महेश शर्मा के प्रतिनिधि संजय बाली, नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल वें अध्यक्ष विकास जैन, मानव सेवा समिति के अध्यक्ष यू के भारद्वाज, संयुक्त किसान मोर्चा के सुखबीर खलीफा, किसान नेता अशोक चौहान, ओम प्रकाश गुर्जर, अमित अवाना, भाजपा नेता अशोक चौहान, सपा नेता चौधरी जयकरन सिंह, बबलू चौहान और अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के महानगर अध्यक्ष अजय पांडे सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, सामाजिक एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गाँधी जयन्ती अवसर पर निकाली गयी जागरूकता रैली व विधिक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा10 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के



निर्देशानुसार व जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित

गया कि किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन

आयोजन किया गया। इस जागरूकता रैली को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस जागरूकता रैली में पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कालेज से निकलकर गुरु प्रसाद मेमोरियल हॉस्पिटल चौराहा, जिलाधिकारी आवास, कानपुर रोड होते हुए पीएम श्री राजकीय बालिका इण्टर कालेज रायबरेली के प्रांगण में समाप्त हुए। इस रैली के उपरांत विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता शिविर का भी आयोजन गाँधी जयन्ती के अवसर पर किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्रधानाचार्यों डॉ0 स्मिता मिश्रा, चीफ ली गल एड डिपेंन्स काउन्सिल राजकुमार सिंह, डिप्टी चीफ एल0एल0सी0एस0

पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के तत्वाधान में आज राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 157वीं जयन्ती के अवसर पर मध्यस्थता, सुलह तथा वैकल्पिक विवाद निवारण एवं अहिंसा के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन ए0डी0आर0 सेन्टर छजलापुर, रायबरेली में किया गया। संगोष्ठी का शुभारम्भ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायबरेली अनिशा द्वारा राष्ट्रपिता व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पार्पण करके किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वैकल्पिक विवाद निवारण के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए मध्यस्थता पर विस्तार पूर्वक चर्चा की और सभी को मध्यस्थता के माध्यम से अधिक

में किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है। इस संगोष्ठी में पैलल 3A1Eावाचा3 हिमंशु गुप्ता, सुनील कुमार 1 र 1 ह , पराविधिक स्वयं सेवक पूनम सिंह, रुचिता यादव, राजकमल, नागेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार तिवारी व समस्त स्टाय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उपस्थित रहे। गाँधी जयन्ती के अवसर पर पीएम श्री राजकीय बालिका

जय सिंह यादव, असिस्टेंट विपिन कुमार, पराविधिक स्वयं सेवक पवन कुमार श्रीवास्तव, मनोज कुमार प्रजापति, किरन तिवारी, प्रीत सिंह, आशीष कुमार यादव व बबकौ छात्राएं उपस्थित रही।

महिलाएं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी तो परिवार भी होगा सशक्त- नम्रता शुक्ला पर्दे की झिझक छोड़ आर्थिक गतिविधियों में बढ़ें महिलाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मुंबई की महाप्रबंधक का महत्वपूर्ण साधन है। उन्होंने महिलाओं को नियमित बचत करने, बैंकिंग लेनदेन की जानकारी रखने



नम्रता शुक्ला ने जगतपुर ब्लॉक के पूरब गांव में आयोजित वित्तीय साक्षरता बैठक में महिलाओं को

और जरूरत के अनुसार बैंक से ऋण सुविधा का लाभ लेने की सलाह दी। साथ ही कहा कि महिलाएं



आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। बैठक का आयोजन बैंक ऑफ बड़ौदा के वित्तीय साक्षरता एवं ऋण परामर्श केंद्र की ओर से किया गया। महाप्रबंधक ने महिलाओं से वित्तीय समावेशन (एफआई) से जुड़ी केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने जनधन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना सहित बैंकिंग सुविधाओं का लाभ लेने के लिए महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बैंक खाता केवल पैसे रखने का माध्यम नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त करने और आर्थिक सुरक्षा मजबूत करने

सामाजिक शिक्षा और पर्दे की बाधाओं से बाहर निकलकर आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाएं। अपने पैरों पर खड़ी होकर वे स्वयं के साथ पूरे परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती हैं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं से बैंकों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी भी ली और उनके समाधान के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। बैठक में आरबीआई के अधिकारी राधिका कुण्ठन, संदेश बघोले, ऋषभ सक्सेना, विनय शर्मा, गिरजा शंकर पांडेय, लीड बैंक मैनेजर सुबोध मिश्र, परामर्शदाता मनमोहन शुक्ला, रोहित शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन से लें प्रेरणा: डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी



सरनीत कौर ब्रोक़ा ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। जिलाधिकारी ने

जन्मदिवस का उत्सव नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर है। कार्यक्रम में रामधुन का वादन भी किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी



उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी ने अपने जीवन से हमें सत्य, अहिंसा, सादगी और कर्तव्यनिष्ठा का अमूल्य संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने कार्यक्षेत्र और जीवन में भी इन सिद्धांतों को आत्मसात करना चाहिए, ताकि हम इन महापुरुषों को सच्ची

(वित्त एवं राजस्व) सहदेव मिश्र, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल कुमार यादव, नगर मजिस्ट्रेट राम अवतार, उपजिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश गौतम, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी बृजेश तिवारी, प्रशासनिक अधिकारी आशीष श्रीवास्तव, महेश त्रिपाठी, रामेन्द्र मिश्रा सहित सम्बन्धित कार्मिक उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर जिलाधिकारी ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन, कलेक्ट्रेट में माल्यार्पण कर सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सेवा के आदर्शों को अपनाने का किया आह्वान
गांधी जी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान, 07 क्षय रोगियों को वितरित की गई पोषाहार पोटली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) तब शासन की योजनाओं का सोनभद्र। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी लाभ पहुंचाने के लिए हरसंभव



जी की 157वीं जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित गांधी उद्यान में स्थापित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में महात्मा गांधी जी की प्रिय रामधनु 'रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम' का सामूहिक गायन किया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व की धरोहर हैं। उन्होंने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए कठिन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी के संघर्ष, विचारों एवं आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का सम्यक निर्वहन करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति

प्रयास करें। जिलाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी जी ने स्वच्छता को अपने जीवन में



विशेष महत्व दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने कार्यस्थल की स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए नियमित रूप से साफ-सफाई के लिए संकल्पित हों। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार एवं आदर्श आज भी पूरी दुनिया को सामाजिक न्याय, अहिंसा, शांति और मानवता का संदेश दे रहे हैं। उनके विचारों एवं शिक्षाओं ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा देने के साथ-साथ विश्व स्तर पर शांति एवं अहिंसा की प्रेरणा दी। इस

अवसर पर जिलाधिकारी (वि०/रा०) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट आकांक्षा गौतम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल ने भी महात्मा गांधी जी के जीवन, विचारों एवं आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। गांधी जयंती के अवसर पर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने जनपद के चिन्हित 07 क्षय रोगियों को पोषाहार पोटली प्राप्त करने वालों में जितेन्द्र कुमार सिंह, सुरेन्द्र नाथ, रीता देवी, रामाशंकर विश्वकर्मा, कन्हैया यादव, शान्ति देवी एवं किरन देवी शामिल रहें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) श्री

वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) श्री रोहित यादव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश चन्द्र, उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट आकांक्षा गौतम, सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी श्री रामलाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन न्याय सहायक श्री सुरेश पाठक द्वारा किया गया।

वाटरशेड विकास घटक-पीएमकेएसवाई 2.0 के तहत घोरावल एवं नगवां में आयोजित हुआ 'रिफॉर्म उत्सव'
(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नेटवर्क। सोनभद्र। भूमि संरक्षण महिलाएं, बच्चे एवं ग्रामीणजन,



अधिकारी, रॉबर्टसगंज-सोनभद्र ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में दिनांक 02 अक्टूबर 2026 को जनपद में वाटरशेड विकास घटक-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) 2.0 के अंतर्गत परियोजना घोरावल एवं नगवां में 'रिफॉर्म उत्सव' का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत सिरसाई, विकास खण्ड घोरावल तथा ग्राम पंचायत आमडीह, विकास खण्ड नगवां में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से वाटरशेड विकास की विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। इस दौरान परियोजना क्षेत्र में बराह गण परिणामपरक कार्यों, उनके परिणामों एवं किसानों को प्राप्त होने वाले लाभों की जानकारी देते हुए जल संरक्षण के महत्व के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि भूमि संरक्षण इकाई, रॉबर्टसगंज, सोनभद्र द्वारा ग्रामीणों को वाटरशेड विकास योजना के अंतर्गत कराए जाने वाले विभिन्न कार्यों, उनसे होने वाले लाभों तथा जल संरक्षण के उपयोगों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को प्रदान की गई।

संबंधित ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव तथा विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों से जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा योजनाओं का अधिकारिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

जिला कांग्रेस कार्यालय, सोनभद्र में महापुरुषों की जयंती पर संगोष्ठी एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम संपन्न, जिला और शहर कांग्रेस कमेटी ने संयुक्त रूप से किया माल्यार्पण, महापुरुषों के विचारों पर हुई चर्चा
शहर अध्यक्ष फरीद अहमद ने किया कार्यक्रम का कुशल संचालन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्टसगंज/सोनभद्र। जिला कांग्रेस कार्यालय, रॉबर्टसगंज पर जिला और शहर कांग्रेस कमेटी, सोनभद्र के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी, पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व सांसद श्री मसूरिया दीन पासी जी की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन शहर अध्यक्ष श्री फरीद अहमद ने किया। सर्वप्रथम तीनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात संगोष्ठी में महापुरुषों के जीवन दर्शन पर चर्चा हुई। जिलाध्यक्ष श्री रामराज सिंह गौड़ ने कहा - 'राष्ट्रपिता गांधी जी का सत्य-अहिंसा का मार्ग आज भी समाज को जोड़ रहा है। शास्त्री जी का

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अध्यापिकाओं के द्वारा स्कूल स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती सोनभद्र। दी आर्यस एकेडमी संत कैंपस व स्कूल कैंपस के बाहर चित्रा जालान, प्रबंध निदेशक



नगर राबर्टसगंज में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती स्वच्छता दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती चित्रा जालान, प्रबंध निदेशक

साफ सफाई की गई व कूड़ा को कूड़े दान में ही डालो का नारा लगाया गया। साथ ही साथ बच्चों ने भी झाड़ू लगाकर कूड़ा कूड़ेदान में डाला। साथ ही पेड़ पौधे भी लगाया जिससे हमारा पर्यावरण स्वच्छ व सुरक्षित रहे। इस अवसर पर

विनोद कुमार जालान, सुष्मा पांडे, उमाकांत दुबे, प्रियंका चौबे, प्रतिमा, निशा, सुमन जायसवाल, यासमीन, नेहा, काजल, अपर्णा, प्रिया, महेश त्रिपाठी, अश्वनी मिश्रा, योगेश नारायण, हरिओम पांडे, धर्मेश पांडे व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



शोषित-वंचितों को हक दिलाने में बीता। हमें उनके त्याग से प्रेरणा लेकर अंतिम व्यक्ति के उत्थान का संकल्प लेना होगा।' शहर अध्यक्ष श्री फरीद अहमद ने कहा - 'जिला और शहर कमेटी ने संयुक्त रूप से महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

लिया है। गांधी जी के भाईचारे के सिद्धांतों की आज और अधिक आवश्यकता है। सोनभद्र के जसरत सबसे ज्यादा है। मसूरिया दीन पासी जी जैसे दलित-शोषितों के मसीहा के विचारों को भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस पार्टी उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।' इस अवसर पर निदेशक सचिव श्री जितेंद्र पासवान, प्रदेश मीडिया पब्लिसिटी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता जगदीश मिश्रा, पूर्व उपाध्यक्ष गोपाल पाठक, पीसीसी सदस्य श्री आशुतोष दुबे, आरटीआई प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, जिला सचिव श्रीमती मंजू देवी, कामगार अध्यक्ष श्री रामेश्वर तिवारी, शहर उपाध्यक्ष शंकर भारती, प्रदीप चौबे, आशीष चौबे, यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, राधेश्याम पटेल, लाल बहादुर वर्मा, श्री दहन कुशवाहा, अली अहमद, श्रीमती कुसुम तिवारी, स्वतंत्र साहनी सहित संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

जसरत सबसे ज्यादा है। मसूरिया दीन पासी जी जैसे दलित-शोषितों के मसीहा के विचारों को भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस पार्टी उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।' इस अवसर पर निदेशक सचिव श्री जितेंद्र पासवान, प्रदेश मीडिया पब्लिसिटी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, वरिष्ठ नेता जगदीश मिश्रा, पूर्व उपाध्यक्ष गोपाल पाठक, पीसीसी सदस्य श्री आशुतोष दुबे, आरटीआई प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, जिला सचिव श्रीमती मंजू देवी, कामगार अध्यक्ष श्री रामेश्वर तिवारी, शहर उपाध्यक्ष शंकर भारती, प्रदीप चौबे, आशीष चौबे, यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष सूरज वर्मा, राधेश्याम पटेल, लाल बहादुर वर्मा, श्री दहन कुशवाहा, अली अहमद, श्रीमती कुसुम तिवारी, स्वतंत्र साहनी सहित संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



दही/बैटर में पानी अलग हो जाए। फास्टिक समयेन फूल जाए या खोलते कम्पर बहुत गैस निकले। यह ओवर फर्मेटेशन या खराब होने का संकेत हो सकता है। ऐसे फूड को टेस्ट करने की कोशिश भी न करें। स्वादा- गमियों में कोन-से फर्मेटेड फूड खाना सफ है। जवाब- गमियों में कुछ फर्मेटेड फूड सफ होते हैं। जैसे- दही, छाछ, डइली/डोसा, बैटर (ताजा), अचार, जो कम समय में बने और जल्दी खत्म कर लिए जाए। स्वादा- गमियों में कोन-से फर्मेटेड फूड नहीं खाना चाहिए? जवाब- गमियों में ऐसे फर्मेटेड फूड से बचना चाहिए जो ज्यादा समय तक रखे गए हों बहुत ज्यादा खुदो गए हों या जिन्हें कमिनिशन का रिस्क ज्यादा हो। जैसे- बहुत पुराने अचार और फर्मेटेड डइली/डोसा बैटर, ठोठे समय तक बाहर रखा दही या छाछ, फांसा, माल्टे लो फूड।

कार्डियोलॉजी' के मुताबिक, हीट वेव में हार्ट अटैक के केस बढ़ जाते हैं। दरअसल, हीट वेव के कारण डिहाइड्रेशन और इलेक्ट्रोलाइट इंबैलेंस हो सकता है, जिससे ब्लड वेसल्स पर दबाव पड़ता है, हार्ट रेट बढ़ जाती है। हीट स्ट्रोक होने पर हार्ट फंक्शनिंग प्रभावित हो सकती है। पर्याप्त कूलिंग और पानी न मिलने पर रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- क्या डिहाइड्रेशन होने पर हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ सकता है? जवाब- डिहाइड्रेशन होने पर

सरकारी हेल्थ सेक्टर बीमार और निजी अस्पतालों का मौत का कारोबार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)भारत में चिकित्सा क्षेत्र

स्वस्थ होकर अपने घर वापस लौट जाए। लेकिन इस परिस्थिति



में खुली लूट चल रही है जिसकी कहानी हम आए दिन सुनते रहते हैं। अस्पतालों में उपचार के नाम पर होने वाली अत्यधिक वसूली एक गंभीर और व्यापक समस्या बन चुकी है। किसी अस्पताल में उपचाराधीन मरिज जब बीमारी से जंग लड़ रहा होता है तो वह उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों और दवाइयों के मूल्य की परवाह नहीं करता वह बस यह सोचता है कि किसी भी परिस्थिति में जल्द से जल्द

में मरीजों से दवा और उपकरणों के नाम पर भर-भर कर मोटी रकम वसूली जाती है, मानवता नाम की कोई चीज बची नहीं है। प्राइवेट अस्पतालों में मेडिकल माफिया किस तरह से काम करता है यह बातें किसी से छुपी नहीं हैं, यहां यह बात कहना गलत नहीं होगा की पांच सितारा होटल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले इन अस्पतालों का खर्चा उठा पाना किसी साधारण व्यक्ति के बस की बात नहीं है। दवा कंपनियां अस्पतालों को

लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत और एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते मरीजों से मनमानी कीमत वसूली जाती है। निजी अस्पताल किसी को भी नहीं बख्शाते। अगर तीमारदार बिल नहीं चुकाते तो अस्पताल वाले शव भी नहीं ले जाने देते, कई नामी गिरामी अस्पतालों से ऐसी खबरें आ चुकी हैं कि मर चुके व्यक्ति को वेंटिलेटर लगाकर उसका इलाज दिखाया जा रहा है ताकि लाखों का बिल वसूला जा सके। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस दिशा में उचित कार्रवाई करनी चाहिए और साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम आने वाले सामानों की स्पष्ट बिलिंग हो, स्वास्थ्य सेवा एक मौलिक अधिकार है ना कि एक विशेषाधिकार। हर भारतीय को सस्ती और नैतिक चिकित्सा सेवा प्राप्त होनी चाहिए, मानवीकृत नीतियों को लागू करके और रोगियों के अधिकारों की रक्षा करके ही देश एक न्याय पूर्ण सम्मान और सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की ओर बढ़ सकता है।

ईश्वर की अनुभूति भीतर हो तो उसमें कामना नहीं आ सकती

कामना का निर्माण भीतर से नहीं होता। भीतर से तो उसकी पूर्ति के प्रयास होते हैं। देखिए कामना बाहर से कैसे आती है। एक सुंदर चेहरा देखा और वह अंदर आया। किसी की बढ़िया गाड़ी देखी, वह अंदर आई, कामना बनी। फिर भीतर उसका निर्माण शुरू हुआ। हम जो बाहर से साधन भीतर भरते हैं, उससे कामना बनती है। तो भरना रोक दें, क्योंकि एक बार अगर अंदर निर्माण हुआ तो वह कहीं ना कहीं निकलेगा जरूर। कामना प्रकट होगी जरूर। दबाने पर और कई बीमारी आ जाएंगी। वस्तुएं-व्यक्ति जब भीतर आते हैं तो मन की चक्की उनको पीसती है और कामना का निर्माण हो जाता है। फिर कामना पूर्ति के लिए मनुष्य पता नहीं क्या-क्या करता है। तो कोशिश करें जब कोई चेहरा देखें, वस्तु देखें तो उसके प्रति एक समझ जाएं कि यह बाहर का मामला है, बाहर ही रहे तो अच्छा। मैं भीतर क्यों लाऊं? लेकिन भीतर अगर कुछ खाली है तो भरवा जल्दी हो जाएगा। तो भीतर का भरवा भावान से करें। अगर परमात्मा की अनुभूति, परमात्मा का नाम-जप भीतर भरा हुआ तो बाहर से वह साधन भीतर आकर कामना निर्मित नहीं कर पाएंगे। पं. विजयशंकर मेहता

ग्रोथ एक आंकड़ा नहीं माइंडसेट है, जो मूंगफली की दुकान से भी आ सकती है

लक्ष्मी रोज पति के ऑफिस और बच्चों के स्कूल जाने के बाद 3 घंटे की वॉलंटियरिंग के

प्रोजेक्ट मैंनेजमेंट और स्ट्रैटेजिक टीम बिल्डिंग जैसे पेशेवर स्तर के काम कर रही थीं। यह वास्तविक

विविध नेटवर्क बनाया था। वे प्रभावशाली लोगों को कौल कर सकती थीं, सीधे उनके ऑफिस



लिए घर से निकल जाती हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी की पढ़ाई तो की, पर काम का कोई अनुभव नहीं है। वे नियमित रूप से एक स्थानीय निजी अस्पताल की चैरिटी विंग में लगन से उन मरीजों की मदद करतीं, जो इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे। जरूरतमंद लोगों को कम खर्च या कई बार मुफ्त में इलाज दिलाकर उन्हें संतोष मिलता। धीरे-धीरे उनका चैरिटी का काम बढ़ा तो इलाके में उनकी पहचान बनने लगी। वे स्टाफ रखने लगीं, फंडिंग के लिए मल्टीनेशनल कंपनियों से जुड़ीं, कॉर्पोरेट डोनर्स से मिलने यात्राएं करने लगीं साथ ही अपने मूल स्थान पर चल रहा काम भी संभालती थीं। आप जानते हैं? कि वे चुपचाप क्या बना रही थीं? यह था- अपना सीवी। वे लीडरशिप,

अनुभव कई महंगे कॉर्पोरेट ट्रेनिंग प्रोग्राम्स से ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। करीब 50 हजार लोगों पर हुए ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन में सामने आया कि वॉलंटियरिंग एकमात्र वर्कलेस इंटरवेंशन है, जो व्यक्ति की वेलबीइंग को बेहतर बनाता है और यह कर्मचारियों की पारंपरिक ट्रेनिंग या अन्य सहायता कार्यक्रमों से काफी आगे है। लक्ष्मी के लिए ये ही सच साबित हुआ। काम शुरू करने के 5 साल बाद उनके जीवन में कठिनाई आई। पति की नौकरी चली गई। पर लक्ष्मी ने आत्मविश्वास नहीं खोया। उन्होंने पति का हौसला बनाए रखा, दोस्तों-पड़ोसियों के सामने भी माहौल रखवा। वॉलंटियरिंग ने जल्द ही बेहद व्यावहारिक तरीके से घरेलू स्थिति संभाल ली। कैसे?अब तक उन्होंने मजबूत व

जा सकती थीं। लक्ष्मी की निस्वार्थ सेवा-पेशेवर रवैए के कारण वे लोग उनका सम्मान करते। इन चर्चाओं में उन्होंने परिवार की आपात स्थिति बताई और सहायता भी तत्काल मिली। न सिर्फ उनके पति को नई नौकरी मिली, बल्कि उन्हें भी उसी चैरिटी में वेतन वाली स्थायी नौकरी ऑफर हुई। आज भी ऑफिस की नौकरी के अलावा वे तीन घंटे अतिरिक्त वॉलंटियरिंग करती हैं। वॉलंटियरिंग दूसरों की मदद का तो बेहतर तरीका है ही, आज के जॉब मार्केट में ये खुद की मदद का भी सबसे अच्छा जरिया बन गया है। रिक्रूटर्स शैक्षणिक उपलब्धियों से ज्यादा प्रामाणिक कौशल को प्राथमिकता देते हैं, इसलिए वॉलंटियरिंग प्रोफाइल मजबूत बनाती है। बहुत-से रिक्रूटर्स मानते हैं कि वॉलंटियरिंग

में अनुभवी कैंडिडेट्स ज्यादा खुश रहते हैं, इंटरव्यू को अधिक सहजता से हैंडल करते हैं। उनके अनुभव अधिक प्रामाणिक होते हैं। यूके जैसे देशों में कंपनियां वॉलंटियरिंग को बढ़ावा देती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि इसका कर्मचारियों के प्रदर्शन व कार्यस्थल की संतुष्टि पर सकारात्मक असर होता है।मुझसे मार्गदर्शन लेने वाले विद्यार्थियों को मैं हमेशा सलाह देता हू कि काम यदि अत्यधिक तकनीकी भरा न हो तो सामान्य इंटरनशिप के बजाय वॉलंटियरिंग करें। इससे नेटवर्क बनता है, अनौपचारिक माहौल में लाभार्थियों व कॉरपोरेट लीडर्स से सीधे बात का मौका मिलता है। ये उन्हें प्रोफेशनल टर्मिनोलोजी-व्यवहारिक कामकाज सिखाती है, जिससे उनके पास इंटरव्यू में बात करने के लिए ठोस विषय होते हैं। 2005 की मुंबई बाढ़ में मदद करने वाले मेरे विद्यार्थियों को उनके साथियों से पहले नौकरी मिली। वजह सिर्फ चैरिटी नहीं थी, बल्कि उन्होंने साबित किया था कि वे परिपक्वता से आपदाओं को संभाल सकते हैं।

हर सक्षम व्यक्ति, खासकर कॉलेज छात्रों को वॉलंटियरिंग जरूर करनी चाहिए। इससे आत्मसंतुष्टि मिलती है और संकट के वक्त में वे पेशेवर की तरह सहायता करना सीखते हैं। फंडा यह है कि वॉलंटियरिंग के जरिए आप स्वयं का ही सबसे मजबूत रूप तैयार करते हैं। सुनिश्चित करते हैं कि आप भविष्य की हर चुनौती के लिए तैयार हैं। ...और तब देना ही पाना भी बन जाता है। एन. रघुरामन

हम हमेशा नई चीजें नहीं खोजते, जाने-पहचाने में भी सुकून है...

कैसे है पिकचर?- मैंने पूछा। ‘इट्स अ वन टाइम वॉच’- मुझे जवाब मिला। छोड़ो पैसे बचे, टाइम बचा, मैंने अपने आपसे कहा। बात आई-गई हो गई। कई फिल्में आती हैं और जाती हैं और

जीवन को कॉफी की चम्मचों से नापा है। पर मैं यही बात अमिताभ बच्चन की फिल्मों के लिए कहूंगी। सत्तर और अस्सी के दशक के अमिताभ। उसके बाद फिर मेरी फिल्मों से दूरी हो

वगैरह।जिस समाज में गरीबी, असमानताएं और हिंसा से भरे वाक्यें हों, उसे फिल्मों द्वारा एक सुकून मिलता। शायद इसलिए हम बार-बार उसकी तरफ जाते। कहानियां हमेशा नई नहीं थी

बोल, प्यार और रुस्वाई की अभिव्यक्तियां- यानी एक सम्पूर्ण शब्दावली ने हमारी भाषा को सुकून मिलता। शायद इसलिए हम बार-बार उसकी तरफ जाते। कहानियां हमेशा नई नहीं थी हो सकता है, कि जब गुस्ताखी करनी हो तो दिल के बहाने हम कर सकते हैं। अपने साहसी प्रयोजनों को ‘दिल बेकरार है’ कहकर जता सकते हैं। जरा सोचिए, ऐसे कितने ही गाने हैं जिनमें दिल को मगन्यमान दिया गया है- ‘मेरे दिल में आज क्या है, तू कहे तो मैं बता दूँ वगैरह। कभी-कभी आंखें भी काम कर जातीं, क्योंकि जो होठों पर इनकार होता, वह आंखों में इक्कार बन जाता। जिस समाज में प्राइव्सेसी नहीं और घर-परिवार की निगाहें आप पर हों, वहां आप कैसे ठीक से किसी पर निगाह डालेंगे? बात आंखों पर आकर रुक जाती। समझदार के लिए इशारा काफी था। तो चलिए, मैं वहीं लौटती हूँ, जहां से शुरूआत की थी। फिल्मों को बार-बार देखना, उन्हें अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेना- यह एक ऐसी नजदीकी को दर्शाता है। एक ऐसा बहाना, जिसकी हमें उस दौर में जरूरत थी, जिसमें हम जी रहे थे। हमारा शरीर, हमारी अपनी पहचान का एहसास, समय को लेकर हमारी सोच- ये सब कुछ बदल गया है। शायद मेरे लिए इन दो अलग-अलग दौरों की तुलना करना बेकार ही है। गुजरा हुआ जमाना, आता नहीं दोबारा, हाजिर खुदा तुम्हारा... फिल्मों की कहानियां हमेशा नई नहीं थीं और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं।अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? (ये लेखिका के अपने विचार हैं रीटा कोठारी)



इसी तरह के वाक्य सुनने को मिलते हैं। हालांकि मैं उस नरक की पैदाइश हूँ, जब ‘शोले’ 20 बार और ‘दीवार’ 30 बार देखी जाती। आप कहेंगे ऐसी फिल्में बनती कहां हैं आजकल, और आपका कहना बिलकुल जायज है। पर क्या ये सिर्फ अच्छी और खराब फिल्मों की बात है, या फिर फिल्मों से ही हमारा रिश्ता बदल गया है? ये भी पूछा जा सकता है कि हमारा समय से रिश्ता बदल गया है और फिल्मों को 10-20 बार न देखना उस बदलते रिश्ते का एक उद्धारण है। मेरी जिंदगी सिर्फ फिल्में देख-देख कर नहीं, सिर्फ गाने सुनकर और गुनगुनाकर नहीं, पर फिल्मों द्वारा जिंदगी को देखने से बनी है।टीएस एलियट कहते हैं- ‘आई हँव मेज़र्ड-आउट माय लाइफ विद कॉफी स्पूसन।’ यानी मैंने अपने

गाई! कोई पूछता है जब यह या वह वाक्या हुआ, तब तुम कितने साल की थीं? मैं सोचने लगती हूँ, जब ‘दीवार’ देखी थी तो शायद मैं इतने साल की थी। कान्हे का मतलब है ?कि हमारे काल पर फिल्मों की छाप थी और हम फिल्म-काल में रहते थे। इस तीव्र और गहरे रिश्ते के एक यह था कि हम फिजुल में वॉट्सएप्प और सोशल मीडिया पर वक्त बर्बाद नहीं करते थे। हमारे जेहन में कहानियां, गाने और डायलॉग भरे हुए थे और जिस तरह लोग कबीर या रहीम के दोहे दोहराते हैं, हम फिल्मी बातें दोहराते थे। हमारे लिए वे किसी दोहों से कम नहीं थीं। उन्हीं से हम सीखते कि दुःख सब पर आते हैं, कि कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना वगैरह-

और किस मोड़ पर आकर उनका अंत होगा, वह भी हमें पता रहता था। यह मानने की जरूरत नहीं है कि हम हमेशा नई चीज ढूंढते हैं। अगर ऐसा होता तो लोग बार-बार रामलीला देखने क्यों जाते? जाना-पहचाना देखने में भी एक सुकून होता है। बहरहाल, बोलचाल की जवान में फिल्म के डायलॉग आ जाते तो उसे झूठ नहीं माना जाता। शायद वह अलंकार का समझा जाता। मुझे याद है मां गुस्सा होकर पिताजी से कहतीं- ‘मैं चुप नहीं रहूंगी। जैसे मीना कुमारी कहतीं मुझे भी वही करना है।’ यह सुनकर कोई हंस नहीं देता, परंतु उस गुस्से को ज्यादा दमदार समझता। अब आप सोचिए कि एक बार फिल्म देखने पर इतनी गहरी बात कैसे कही जा सकती है! फिल्मों के शीर्षक, गीतों के

दुनिया की कहानी अब केवल अमेरिकी ताकत से नहीं लिखी जाएगी

वॉशिंगटन के जॉंट बेस इंड्यू पर उस दिन एक असाधारण दृश्य था। शी जिनपिंग के विमान से उतरते ही ट्रम्प स्वयं उनका स्वागत करने पहुंचे। अगले दिन व्हाइट हाउस में राजकीय भोज, सैन्य सम्मान और गर्मजोशी भरी कूटनीतिक भाषा ने इस दृश्य को और अर्थपूर्ण बना दिया। लेकिन इन्फोर्स् पीछे एक गम्भीर सवाल था- क्या अमेरिका चीन को मना रहा है? और यदि अमेरिका को डॉलर की स्थिति को संभालने के लिए चीन के सहयोग की जरूरत है, तो क्या बीजिंग आसानी से रहम करेगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रीय कर्ज सितंबर 2026 में 40.10 ट्रिलियन डॉलर पीछे एक गम्भीर सवाल था- क्या अमेरिका चीन को मना रहा है? और यदि अमेरिका को डॉलर की स्थिति को संभालने के लिए चीन के सहयोग की जरूरत है, तो क्या बीजिंग आसानी से रहम करेगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रीय कर्ज सितंबर 2026 में 40.10 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई। आईएमएफ भी चेतावनी दे चुका है कि अमेरिकी सार्वजनिक कर्ज और अल्पकालिक कर्ज पर बढ़ती निर्भरता वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम बढ़ा रही है। फिर भी डॉलर की वैश्विक स्थिति अभी इतनी

मजबूत है कि आईएमएफ के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में विश्व के आधिकारिक विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर की हिस्सेदारी 57.13फीसदी थी। अमेरिका की असाधारण शक्ति का बड़ा आधार यह है कि उसकी मुद्रा केवल उसकी ही नहीं है। दुनिया के केंद्रीय बैंक डॉलर रखते हैं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार डॉलर में होता है और संकट के समय अमेरिकी ट्रेजरी को सुरक्षित परिसंपत्ति माना जाता है। अप्रैल 2025 में वैश्विक विदेशी मुद्रा बाजार में प्रतिदिन लगभग 9.6 ट्रिलियन डॉलर का कारोबार हुआ और 89.2फीसदी लेन-देन में डॉलर एक पक्ष था। यही वह व्यवस्था है, जिसने अमेरिका को दशकों तक अपनी आय से अधिक खर्च करने की सुविधा दी। अमेरिका सामान आयात करता है, व्यापार घाटा चलता है और बदले में दुनिया अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियां खरीदती है। अमेरिका दुनिया के सामान लेता है और दुनिया उसके कागजी दावे सहजती है। चीन

अमेरिका का सबसे बड़ा रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के साथ-साथ उसकी आर्थिक संरचना का महत्वपूर्ण भागीदार भी है। इसलिए चीन यदि अमेरिकी वित्तीय परिसंपत्तियों में अपनी भूमिका अचानक बदलता है, तो उसका प्रभाव केवल अमेरिका नहीं, वैश्विक वित्तीय बाजारों पर भी पड़ सकता है। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि चीन अमेरिका के हित में काम करेगा। वह अपने हित में धीरे-धीरे विकल्प बना रहा है। आईएमएफ के अनुसार 2026 की पहली तिमाही में वैश्विक आधिकारिक भंडारों में चीनी रेनमिन्बी की हिस्सेदारी केवल 1.99फीसदी थी- डॉलर के 57.13फीसदी से बहुत दूर। फिर भी बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के अनुसार 2025 में रेनमिन्बी वैश्विक विदेशी मुद्रा कारोबार में 8.5फीसदी हिस्सेदारी तक पहुंच चुका था।अमेरिका चाहता है कि चीन अमेरिका के वस्तुएं खरीदे, व्यापार घाटा घटे और डॉलर मजबूत रहे। दूसरी ओर वह चीन

की तकनीकी क्षमता को सीमित करना चाहता है। वह चीन से रेयर अर्थ एलिमेंट्स की आपूर्ति चाहता है, लेकिन अपनी उन्नत तकनीक चीन तक पहुंचने से रोकता है। चीन से सहयोग की चाहिए और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी करनी है। एक हाथ में टैरिफ, दूसरे हाथ में लाल कालीन- अमेरिकी नीति का यही विरोधाभास है। जिस अमेरिका ने दुनिया को डॉलर पर निर्भर बनाया, आज उसे यह सुनिश्चित करने के लिए चीन से बातचीत करनी पड़ रही है कि वैश्विक व्यवस्था अचानक उसके विरुद्ध न मुड़ जाए। ट्रम्प द्वारा शी का हवाई अड्डे पर स्वागत केवल कूटनीतिक सिष्टाचार नहीं है; यह उस बदलती दुनिया का प्रतीक भी है, जिसमें अमेरिका अभी सबसे शक्तिशाली खिलाड़ी है, लेकिन अब अकेला खिलाड़ी नहीं। डॉलर अभी संकट में नहीं है। पर उसकी कहानी अब केवल अमेरिकी ताकत से नहीं लिखी जाएगी। (ये लेखक के अपने विचार हैं ,सुखवीर सिंह)

देश में गरीबी घट रही है और इस पर दुनिया की नजर है

क्या भारत में गरीबी दर घट रही है? और अगर ऐसा है, तो

लोगों को पोषण-सहायता और भोजन देते हैं।विश्व बैंक ने भी भारतीय गरीबी



सरकार अभी भी 80 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को मुफ्त अनाज क्यों दे रही है? पहले सवाल का जवाब है- हां, भारत में गरीबी दर वाकई घट रही है, और पहले से कहीं ज्यादा तेजी से। आरबीआई के पूर्व गवर्नर सी. रंगराजन की अध्यक्षता वाली समिति की नई रिपोर्ट के अनुसार गरीबी दर 2011-12 में 29.5फीसदी थी, जो 2023-24 में घटकर 4.9फीसदी हो गई है। यह एक असाधारण गिरावट है। रंगराजन कहते हैं गिरावट की दर पिछले 12 साल की अवधि में 2.02फीसदी प्रति वर्ष रही है।तब सवाल उठता है कि अगर पिछले 12 सालों में गरीबी दर 17 करोड़ से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी की स्थिति से ऊपर उठ गए।निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए गरीबी रेखा के मानवर्द्ध से नीचे के लोगों की संख्या (प्रतिदिन 3.65 डॉलर), 61.8फीसदी से घटकर 28.1फीसदी हो गई। यदि गरीबी को परिभाषित करने के लिए घरेलू आय का कट-ऑफ स्तर बढ़ा दिया जाए, तो गरीबी दर तेजी से बढ़कर 28.1फीसदी हो जाती है। यह लगभग 50 करोड़ भारतीयों का जनसांख्यिकीय समूह है, जिसे पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत अतिरिक्त 30 करोड़ और लोगों को शामिल किया गया है, ताकि स्पष्ट चुनावी लाभ के साथ व्यापक जनसांख्यिकीय समूह तक भी पहुंचा जा सके। भारत में गरीबी के निरंतर प्रसार के बावजूद गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या में कमी देखी जा सकती है।1947 में स्वतंत्रता के बाद से भारत में अकाल नहीं पड़ा है। जबकि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के 190 वर्षों के दौरान 31 बड़े अकाल पड़े थे, जिनमें से आखिरी 1943 का बंगाल अकाल था। उसमें 30 लाख लोग मारे गए थे।रंगराजन गरीबी दर में गिरावट को जीडीपी में वृद्धि से सही ढंग से जोड़ते हैं। वे लिखते हैं कि गरीबी का निर्धारण जीडीपी वृद्धि, कीमतों और सेफ्टी नेट जैसे फैक्टर्स से होता है।

बड़ा दिल रखने के लिए पैसा नहीं, मंशा चाहिए!

‘इंडिया का आखिरी होटल है। आइए, थोड़ा चाय-समोसा लीजिए, कोल्ड ड्रिंक पीजिए। अभी कार्यक्रम शुरू होने में काफी



समय है।’ मैं इस जगह पर कई बार आया हूँ, लेकिन ये शब्द कभी नहीं सुने। इसलिए मैं इस आवाज को लगाने वाले बख्शीश सिंह से मिलने के लिए कार से उतरा, जो अपने बड़े भाई के नाम से ‘बलजीत फूड कॉर्नर’ नामक ढाबा चलाते हैं।मैंने चारों ओर निगाह डाली। वह झूठ नहीं बोल रहे थे। वास्तव में उनका ढाबा भारत और पाकिस्तान की सीमा को बांटने वाली जीरो माइल पर बने लोहे के विशाल गेट से पहले आखिरी था, इस गेट की सुरक्षा हमारी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) करती है। चाय की चुस्की लेते हुए लोग, दोनों देशों की विभाजित करने वाले लोहे के दो मजबूत दरवाजों से पहले बने कड़ी सुरक्षा वाले कौन्सीट के गेट देख सकते हैं।इस शनिवार की शाम को मैं ‘सीमित हो गई’ बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने के लिए वाघा-आदारी सीमा पर था। पहलागम हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 12 दिन निलंबित रहा ये समारोह 20 मई 2025 को फिर से बहाल हुआ था।। मैं इस प्रतिष्ठित समारोह को देखना चाहता था, हालांकि इसमें अब लोहे के दरवाजे बंद ही रहते हैं और बीएसएफ तथा पाकिस्तानी रेंजर्स के बीच पारंपरिक तौर पर होने वाली हाथ मिलाने की प्रक्रिया भी बंद कर दी गई है।सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन मैं महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्रीट में देशभक्ति भरे नजारे को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है।वह जानते हैं यहां उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ ग्राहकों को प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चूकता। हालांकि उनकी

यह अस्थायी दुकान, खाने की जरूरी चीजें बेचने वाली आखिरी इंटरी है, फिर भी मैंने उन्हें कोई भी सामान महंगे दामों पर बेचते हुए नहीं देखा।ये देखकर भरोसा कितना बढ़ जाता है, जब बख्शीश का परिवार हर गिलास को चमकाने में गर्व का अनुभव करता है! चूंकि उनके ढाबे में डिस्पोजेबल गिलास का उपयोग नहीं होता, इसलिए उनका परिवार चाय के हर गिलास को बड़े धैर्य से साफ कर रहा था। यहाँ तक कि वह खुद पर्यटकों से कह रहे थे कि वे उनसे खरीदी पानी की खाली बोतलें यहां-वहां फेंककर गंदगी न रें।बीएसएफ के जवान भी लोगों से गंदगी नहीं फेंकाने का आग्रह कर रहे थे। यकीन मानिए बख्शीश सिंह ज्यादा कमाई नहीं कर रहे थे। उनके और उनके घरवालों के कपड़े इस बात का सबूत थे कि वे बस गुजारा चला रहे थे, लेकिन देश के प्रति उनका प्यार और देशवासियों के प्रति भाविकता एक अलग ही स्तर पर था।उनके व्यापारिक कौशल में दया की एक मोटी पर्त थी, जो आम तौर पर स्वयं मंदिर कहे जाने वाले श्रीहरमिन्दर साहिब के ‘लंगर’ में दिखती है। जबकि गृहस्थी के गुजारे के लिए लाभ कमाने की मंशा बहुत कम दिख रही थी। ग्राहकों के पास भले ही बिल चुकाते वक्त पांच रुपए के छुट्टे नहीं हों, तब भी वह उसी मुस्कान के साथ उनको बांध दोल रहे थे।यह देखकर मुझे देश के बड़े हवाई अड्डों पर स्थित ‘वांगो’ जैसे चमक-धमक वाले रेस्तरां याद आ गए, जिनके डिस्पले बोर्ड पर लिखा होता है कि वे गर्म कॉफी पीतल के गिलास में परोसते हैं, जबकि वास्तव में वे इसे प्लास्टिक के गिलास में देते हैं। जिससे फिल्टर कॉफी भी बंद कर दी गई है।सीमा से 300 फीट दूर खड़े होकर बख्शीश द्वारा परोसी गई चाय का स्वाद लेते हुए मैं ग्राहकों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देख रहा था। वह दिन मैं महज 2 से 3 घंटे ही व्यापार करते हैं, जब भीड़ बीटिंग रिट्रीट में देशभक्ति भरे नजारे को देखने आती है और सूर्यास्त के साथ झंडा उतरते ही वापस लौट जाती है।वह जानते हैं यहां उन्हीं ग्राहकों के दोबारा आने की संभावना बहुत कम है। पर फिर भी अपनी सफेद दाढ़ी के पीछे चमकते दांतों वाली चौड़ी मुस्कान व सत्कार के साथ ग्राहकों को प्रभावित करने का कोई मौका वह नहीं चूकता। हालांकि उनकी

भारत 114 और राफेल खरीदेगा, स्वदेशी हथियार लगेगे, 4 साल में 26 और मिलेंगे

नयी दिल्ली। भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो

सिस्टम का इस्तेमाल बढ़ाने की योजना है। 2027 में तेजस एमके2 की पहली उड़ान- डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि तेजस एमके2 की पहली उड़ान 2027 के मध्य में होने की योजना है।



सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है। भारत इस डील में ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहता है। योजना के मुताबिक, ज्यादातर राफेल विमान भारत में असेंबल किए जाएंगे। डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि फ्रांस की कंपनी पहले खरीदे गए राफेल मरीन विमानों में भी भारतीय हथियार लगाने पर सहमत हो गई है।भारत के पास अभी 36 राफेल हैं, जो ऑपरेशन में हैं। अप्रैल 2025 में नौ सेना के लिए 26 राफेल-श खरीदने का सौदा हुआ है। इनकी डिलीवरी 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। यानी 4 साल बाद देश की सेनाओं के पास 62 राफेल हो जाएंगे। राफेल की खरीद कैसे होगी? यह खरीद 'बाय एंड मेक' मॉडल के तहत होगी। इसके तहत राफेल बनाने वाली कंपनी के साथ मिलकर भारत में विमानों की असेंबली और उत्पादन से जुड़े काम किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय को मिले प्रस्तावों का मूल्यांकन पूरा होने के बाद खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। डिफेंस सेक्रेटरी के मुताबिक, इस साल के अंत तक इस प्रक्रिया में कोई निष्कर्ष निकल सकता है। राफेल मरीन में लगे भारतीय हथियार:-भारत पहले ही राफेल मरीन विमान खरीद चुका है। अब फ्रांस की कंपनी इन विमानों में भारतीय हथियार लगाने के लिए तैयार है। इससे भारत के बनाए हथियारों को राफेल के साथ इस्तेमाल करने की क्षमता बढ़ेगी। नई खरीद में भी भारतीय हथियारों और

धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेंगा:धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर- मोहन भागवत

मुंबई। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र



अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेंगा।

मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं।

राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है।

अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।

भागवत की स्पीच, 4 बड़ी बातें:-1. भारत से ही हर समस्या का समाधान: भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या

है कि रास्ता भारत से निकलेगा। 2. भारत के पास विशाल ज्ञान परंपरा: भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है।

इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं। 3. भक्ति की शक्ति से ईश्वर के करीब पहुंच सकते: हमारे देश के पास ज्ञान का बहुत बड़ा खजाना है, जिसकी आज दुनिया को जरूरत है। भक्ति की शक्ति से ईश्वर के करीब पहुंचा जा सकता है।

4. मानव जाति के भविष्य की रक्षा करना जरूरी: इस ज्ञान को आगे बढ़ाने वाले लोगों के जीवन और परंपराओं को बचाना सिर्फ धार्मिक जिम्मेदारी नहीं है। यह मानवता की सेवा भी है आप सिर्फ एक जीवन की रक्षा नहीं कर रहे हैं। आप पूरी मानव जाति के सुरक्षित भविष्य की रक्षा कर रहे हैं।

विमान हाईजैक होता तो इजराइल मार गिराता,हमलावर से बातचीत की तैयारी भी थी,9/11 जैसा हमला रोकने के लिए फाइटर जेट्स भेजे

तेल अवीव। जरूरत पड़ने पर लड़ाकू विमान भेजे जा सकते हैं। 2. हालात का अंदाजा

तेजी से नीचे गिरने लगा। इसके बावजूद कैप्टन ने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया, जिससे

भेजने की मांग की है, लेकिन सऊदी अरब इस पर क्या फैसला लेगा, यह अभी साफ नहीं है।



लगाकर फैसला:- सिर्फ हाईजैक होने के शक के कारण विमान को गिराने की अनुमति नहीं मिल जाती। हर मामले में खतरे की गंभीरता और हालात को देखना पड़ता है। 3. यात्रियों और कू की सुरक्षा जरूरी-आईसीओ के मुताबिक, उड़ान के दौरान नागरिक विमान के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। विमान को रोकने की कार्यवाई में यात्रियों और कू की जान का ध्यान रखना जरूरी है। 4. हमले की स्थिति में सभी विकल्प खुले:- अगर विमान को किसी इमारत या भीड़ पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किए जाने का खतरा हो, तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। सुरक्षा एजेंसियां उसे रोकने के विकल्पों पर विचार करती हैं। हालांकि, विमान को गिराने का फैसला अपने आप सही या कानूनी नहीं हो जाता। यह हालात और कानूनों पर निर्भर करता है। आरोपी ने चाकू से भारतीय पायलट पर हमला किया:- हाईजैक की कोशिश के आरोपी ओमानी को-पायलट ने कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर चाकू से हमला किया था। हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए और विमान

यात्री और कू अंदर पहुंच सके। उन्होंने मिलकर आरोपी को काबू किया। इसके बाद विमान में मौजूद दूसरे पायलटों ने फ्लाइट को सऊदी अरब के तबुक शहर में सुरक्षित उतारा। एक मिनट में 16 हजार फीट नीचे आया विमान:-फ्लाइटरडार24 वे5 मुताबिक, घटना के करीब द्वाइ घंटे बाद विमान एक मिनट में 33 हजार फीट से 17 हजार फीट की ऊंचाई पर आ गया। विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। न्यूजीलैंड के फ्लाइट स्कूल के प्रमुख फिलिप कीन ने विमान की सुरक्षित लैंडिंग को चमत्कार बताया। इसी स्कूल में कैप्टन स्मित मच्छर ने ट्रेनिंग ली थी। कीन ने कहा कि विमान इतनी तेजी से नीचे आने के बावजूद टूटने से बच गया। नेतन्याहू बोले- हमलावर का ब्रेनवॉश हुआ था:-नेतन्याहू ने दावा किया कि हमलावर को कट्टरपंथी इस्लामी विचारधारा से प्रभावित किया गया था। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि आरोपी का ब्रेनवॉश हुआ था। फिलहाल इस मामले की जांच सऊदी अरब में चल रही है। इजराइल की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां भी जांच में मदद कर रही हैं। इजराइल ने आरोपी को पृच्छाछ के लिए अपने देश

मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन, एसआईआर का विरोध,ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, दिल्ली के जंतर-मंतर से भी सैकड़ों प्रदर्शनकारी हिरासत में

मुंबई/नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी आज शाम 4 बजे



से मुंबई के शिवाजी पार्क में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन करने वाली है। वहीं, दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ लेफ्ट, आप और स्टूडेंट यूनियन ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर से सौरभ भारद्वाज, आतिशी, संजय सिंह समेत 700 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। जंतर-मंतर पर पुलिस, आरएफ जवान तैनात किए गए हैं। एहतियात के तौर पर आसपास के 12 मेट्रो स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट अगले आदेश तक बंद कर दिए गए हैं। इनमें जनपथ, पटेल चौक, केंद्रीय सचिवालय, राजीव चौक, सेवा तीर्थ, मंडी हाउस



व्यक्ति ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ प्रदर्शन में शामिल



और लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन शामिल हैं। मुंबई में

होने पुणे से आया है। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे

की मांग को लेकर आज से विपक्ष का देश भर में प्रदर्शन है। इंडिया ब्लॉक की तरफ से भी 2 से 8 अक्टूबर तक प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। पटना में सीपीआई (माले) की ओर से लोकतंत्र बचाओ मार्च निकाला गया है। इसमें कांग्रेस, सीपीएम और राजद, ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन (अससा) भी शामिल हैं। सीपीआई प्रवक्ता सौरव दास बोले- मुंबई में प्रोटेस्ट 2.0, एक बार फिर एकजुट हो-कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि धर्मप्रधान के खिलाफ देशभर में बड़ा आंदोलन हुआ था, जिसमें बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि कई सालों बाद मुंबई में इतने बड़े स्तर पर युवाओं

का जोश देखने को मिला। इसलिए इस बार फिर मुंबई आने और यहीं से आंदोलन शुरू करने का फैसला किया गया। दास ने कहा, मैं देशभर के युवाओं से अपील करता हूँ कि वे एक बार फिर एकजुट हों, जैसे वे जंतर-मंतर 1.0 के दौरान हुए थे। इसी तरह सीजेपी 2.0 भी होना चाहिए और हमें बड़े स्तर पर प्रदर्शन करना चाहिए। जंतर-मंतर पर आरजेडी सांसद मनोज झा भी प्रदर्शन करने पहुंचे-जंतर-मंतर पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, क्या प्रदर्शन करने के लिए अनुमति की जरूरत होती है? आखिर यह गांधी का देश है। आज गांधी जयंती है। मैं कहना चाहता हूँ कि देश को पुलिस स्ट्रेट में बदल देने के बावजूद ज्ञानेश कुमार, पीएम और गृहमंत्री अपने गलत कामों को छिपा नहीं पाएंगे।

मोदी से कैप्टन स्मित बोले-घायल था पर हिम्मत नहीं हारी,विमान नीचे जाता रहा,हनुमान चालीसा पढ़ते हुए कॉकपिट का दरवाजा खोला

नयी दिल्ली। मितल ने कहा कि कैप्टन को अच्छा इलाज मिल

पत्नी से भी बात की थी। उन्होंने पिता भूपेंद्रभाई, मां गीताबेन और



रहा है और भारतीय दूतावास वहां के अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। राजदूत ने कैप्टन स्मित को भारत का बहादुर बेटा बताया। उन्होंने कहा कि हवा में आपात स्थिति के दौरान उनकी बहादुरी से सैकड़ों लोगों की जान बची और एक बड़ी दुर्घटना टल गई। पीएम मोदी पहले भी कर चुके हैं तारीफ-प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी और सूझबूझ की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पायलट ने धैर्य और साहस दिखाया। उनकी बहादुरी से पूरा देश गर्व महसूस कर रहा है। मोदी ने कहा, 'इजराइल के प्रधानमंत्री ने भी कहा कि एक भारतीय ने 9/11 जैसी त्रासदी रोक दी। हमारे देश के हर नागरिक को स्मित की बहादुरी पर बहुत गर्व है।' प्रधानमंत्री ने कैप्टन मच्छर के माता-पिता और

पत्नी सोनलबेन से उनकी सेहत की जानकारी ली। साथ ही भरोसा दिलाया कि भारतीय मिशन की ओर से पायलट और उनके परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। ट्रम्प और नेतन्याहू हीरो बताया था:-इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर की बहादुरी की तारीफ की और उन्हें 'सच्चा हीरो' बताया। नेतन्याहू ने कहा कि मच्छर की बहादुरी से विमान में सवार 174 लोगों की जान बचाने में मदद मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कैप्टन मच्छर को हीरो बताया और उनकी बहादुरी की सराहना की।स्पाइसजेट में 11 साल पायलट रह चुके हैं कैप्टन स्मित-प्लाईदुबई से पहले स्मित ने 11 साल से ज्यादा समय तक स्पाइसजेट में काम किया। यहां उन्होंने 9500 घंटे से ज्यादा उड़ान

यानी पायलट-इन-कमांड के तौर पर था। जून 2022 में उन्होंने प्लाईदुबई जॉइन की थी। उनके लैंडइंग प्रोफाइल के मुताबिक, उन्हें कमर्शियल विमान उड़ाने का 13 साल से ज्यादा का अनुभव है। उन्होंने बोइंग 737 विमानों पर करीब 9750 घंटे उड़ान भरी है।

इसके अलावा वे पायलटों की ट्रेनिंग, उनकी जांच और उन्हें काम के दौरान गाइड करने का काम भी करते थे। इजराइल और गुजरात सरकार सम्मानित करेगी:-कैप्टन स्मित मच्छर को इजराइल सम्मानित करेगा। भारत में इजराइल के राजदूत स्वेन अजार ने इंडिया टुडे से बातचीत में यह जानकारी दी। वहीं, गुजरात सरकार ने भी कैप्टन स्मित को 'विशिष्ट गुजरात परिभा पुरस्कार' से सम्मानित करने का ऐलान किया है।

नेतन्याहू बोले- हमलावर पायलट का ब्रेनवॉश हुआ वह यहूदी विरोधी था,पकड़े जाने पर चिल्लाया- मुझे मार दो

तेल अवीव। घटना के बाद यह सवाल भी उठा कि आरोपी

जांच की जिम्मेदारी विदेशी एयरलाइंस पर छोड़ रखी थी।



को इजराइल जाने वाली फ्लाइट में ड्यूटी कैसे मिली। इजराइल और ओमान के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं। रिपोर्ट- हमले से पहले भी कई ओमानी पायलट इजराइल पहुंचे:-ओमानी पायलट के हमले के बाद इजराइल की विमान सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। न्यूज चैनल 12 की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिबंध के बावजूद इससे पहले भी कई ओमानी पायलटों ने निगरानी करती है। यूएई जांच करेगा कि हमला

रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने प्लाईदुबई के पायलटों के बैकग्राउंड की जांच नहीं की थी। शिन बेट ने प्लाईदुबई से प्रतिबंधित देशों के पायलटों को तैनात न करने को कहा था। हमले के बाद परिवहन मंत्रालय और विमान सुरक्षा प्रक्रियाओं की समीक्षा होगी। उस संस्था की भूमिका भी जांची जाएगी, जो इजराइल आने वाली उड़ानों के पायलटों की निगरानी करती है। यूएई जांच करेगा कि हमला

पाक में ट्रम्प के बेटों की कंपनी ड्रोन यूनिट लगाएगी, भारत की 4 फैंक्ट्री तैयार, 3 बनाई जा रहें-2 प्रस्तावित

इस्लामाबाद। ऐसे में मुनीर के कहने पर चीन ने पाक को इस डील की मंजूरी दी। 4. क्या पाक का रोल बढ़ेगा? ट्रम्प के दौर में अमेरिका का पाक के साथ कई क्षेत्रों में करार बढ़ा है। ईरान युद्ध में भी अमेरिका ने पाक को मध्यस्थ का रोल दिया था। ट्रम्प

प्रणालियां शामिल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 7-8 मई 2025 की रात पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों से उत्तरी और पश्चिमी भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिन्हें भारत के इंटीग्रेटेड काउंटर-यूएसए फ्रिड और एयर



परिवार का पाक के क्रिप्टो करंसी बिजनेस में हाथ है। अमेरिका पाक के रोल को और बढ़ाने वाला है। भारत की तैयारी पूरी, एडवांस एंटी ड्रोन सिस्टम मौजूद:- अगर भविष्य में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला होता है, तो भारत के पास इंटीग्रेटेड काउंटर-यूएसए फ्रिड और मल्टी-लेयर एयर डिफेंस जैसी व्यवस्थाएं हैं। इनमें रडार, कंट्रोल सेंटर, एयर डिफेंस गन और जमीन/हवा से दागी जाने वाली मिसाइल

डिफेंस सिस्टम ने बेअसर किया। सरकार के अनुसार, इस दौरान आकाश समेत कई एयर डिफेंस सिस्टम को एक्टिव किया गया। 10 मई को पाकिस्तान के बड़े ड्रोन-मिसाइल हमले को भी भारतीय एयर डिफेंस, काउंटर-ड्रोन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम ने विफल किया था। ट्रम्प के बेटों की निवेश कंपनी की 9.9फी सदी हिस्सेदारी:- अलजजीरा के मुताबिक, ट्रम्प जूनियर और एरिक ट्रम्प पॉवरस

कंपनी में अमेरिकन वेंचर्स के जरिए निवेशक हैं। अमेरिकी रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, पॉवरस के प्रस्तावित मर्जर के बाद अमेरिकन वेंचर्स की कंपनी में 9.9फीसदी बेनिफिशियल हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। ट्रम्प जूनियर के प्रवक्ता के मुताबिक, वह सिर्फ पैसिव निवेशक हैं और कंपनी के कामकाज या कॉर्न्यूट में उनकी कोई भूमिका नहीं है।पाकिस्तान से पहले भारत से भी पॉवरस का करार:-पॉवरस का पाकिस्तान से पहले भारत में भी करार हुआ था। 30 जून की फाइलिंग में पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज ने बताया कि पॉवरस ने उसे भारत में गार्डियन-1 ड्रोन इंटरसेप्टर बनाने और बेचने का एक्सक्लूसिव लाइसेंस दिया है। यानी पॉवरस की ड्रोन तकनीक से भारत और पाकिस्तान दोनों जुड़े हैं। पाकिस्तान ने क्या समझौता किया है? पॉवरस के मुताबिक, पाकिस्तान के साथ हुआ एमओयू अंतिम समझौता नहीं है। इससे खरीदारी की बाधयता नहीं बनती और यह अमेरिकी कानूनों और सरकार की मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने पाकिस्तान में तकनीक पर काम करने की बात भी कही है। 16 सितंबर की बैठक में रक्षा खरीद, प्रोडक्शन और क्षमता बढ़ाने पर चर्चा हुई थी।

एक्टर डीनो मोरिया के गिरफ्तार होने की खबर,मीठी नदी डीसिल्टिंग घोटाले से जुड़ा है मामला

मुंबई। एक्टर डीनो मोरिया शुक्रवार को मुंबई पुलिस ने

सिस्टम के रखरखाव के लिए दिए गए सरकारी फंड में हेराफेरी



गिरफ्तार होने की खबर सामने आई है। शुक्रवार सुबह वे कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, जहां मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) के सामने उनकी पेशी हुई। मामला मीठी नदी डीसिल्टिंग स्कैम का है। दावा है कि राज्य में नदियों की सफाई के नाम पर हुए 65 करोड़ रुपए का गबन हुआ। इस जांच में मोरिया का नाम इसलिए आया क्योंकि उन पर उन कॉन्ट्रैक्टर्स और अधिकारियों से जुड़े होने का आरोप है। इन लोगों पर मुंबई में बाढ़ से बचाव और ड्रेनेज

करने का शक है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब डीनो, दिशा सालियन की मौत के मामले में भी जांच का सामना कर रहे हैं। पिछले साल ईडी ने डीनो के घर छापा मारा था--2025 में भी ईडी ने मुंबई और कोच्चि में 15 जगहों पर छापेमारी की, जिसमें मोरिया का घर भी शामिल था। इन छापा में उन लोगों और संगठनों को निशाना बनाया गया जो जांच के दायरे में आए कॉन्ट्रैक्टर्स और अधिकारियों से जुड़े थे। जांच में सामने आया कि आरोपी केतन कदम और जय

जोशी ने मैटप्रॉप कंपनी के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स विभाग के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके घोटाला किया। जब घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम के कॉल रिकॉर्ड्स की जांच हुई तो इसमें एक्टर डिनो मोरिया और उनके भाई का नाम सामने आया। दोनों ने कई मौकों पर केतन कदम से बात की थी। जांच अधिकारियों का मानना है कि डीनो मोरिया और केतन महज दोस्त नहीं हैं, बल्कि उनके बीच पैसों का लेन-देन भी हो सकता है। यही वजह है कि डिनो को जांच के दायरे में लेकर पूछताछ की जा रही है।

क्या था मीठी नदी डीसिल्टिंग प्रोजेक्ट--मीठी नदी डीसिल्टिंग प्रोजेक्ट की शुरुआत 2005 में मुंबई में आई बाढ़ के बाद बृहन्मूंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) और अन्य सिविक एजेंसियों ने की थी। इस प्रोजेक्ट का मकसद मलबे को हटाकर और नदी के तल का रखरखाव करके बाढ़ मैनेजमेंट को बेहतर बनाना था। बाढ़ की जांच में डीसिल्टिंग के बताए गए काम और असल में किए गए काम के बीच अंतर मिला, जिससे प्रोजेक्ट के फंड के इस्तेमाल पर शक पैदा हुआ।

एक्ट्रेस नुसरत भरुचा को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर,इंडोनेशिया के बाली में एक्सीडेंट, एयर एंबुलेंस से मुंबई लाया जा रहा, सर्जरी होगी

मुंबई। एक्ट्रेस नुसरत भरुचा के बाली में हुए हादसे के बाद रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया है। न्यूज एजेंसी आईएनएस के मुताबिक,



नुसरत फिलहाल बाली के अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। शुक्रवार को नुसरत की टीम की पब्लिसिस्ट सचिता त्रिवेदी ने बताया कि डॉक्टर आगे की जांच के बाद उनकी रीढ़ की सर्जरी करेंगे। उन्हें इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से बाली से मुंबई लाने की तैयारी की जा रही है। मुंबई पहुंचने के बाद उनकी सर्जरी होगी। टीम के मुताबिक, चोट और सर्जरी की वजह से नुसरत को आराम करने और ठीक होने में समय लगेगा। इसका असर आने वाले हफ्तों में उनकी काम से जुड़ी जिम्मेदारियों पर भी पड़ सकता है। टीम ने सभी से उनकी निजता का सम्मान करने और उन्हें इलाज पर ध्यान देने देने की अपील की है।

ट्रेनों में गाकर पैसे कमाए,डॉक्टर बनने का मौका छोड़ा,'विककी डोनर' से बदली किस्मत, आयुष्मान खुराना बोले- रिस्क लेकर यहां तक आया

मुंबई। आयुष्मान खुराना आज बॉलीवुड के उन एक्टरों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपनी अलग तरह की फिल्मों से इंडस्ट्री

के बाद वह दो महीने का ब्रेक लेकर एक्टिंग की तैयारी करना चाहते थे। लेकिन उनके पिता ने उन्हें तुरंत मुंबई जाने के लिए

हैं कि 'दम लगा के हईशा' के आने के बाद उनके करियर की दिशा बदल गई। फिर शुरू हुआ अलग कहानियों का दौर-इसके



में पहचान बनाई। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। चंडीगढ़ से निकले आयुष्मान ने थिएटर किया, रेडियो जॉकी बने, एमटीवी पर वीजे रहे और कई ऑडिशन दिए। उन्हें इंडियन आइडल-2 में भी रिजेक्शन मिला। 2012 में 'विककी डोनर' से फिल्मी करियर शुरू हुआ। पहली फिल्म हिट हुई। इसके

कहा। आयुष्मान के मुताबिक, उनके पिता ने कहा था कि अगर अभी नहीं गए तो दो साल तक नौकरी नहीं मिलेगी। इसके बाद वह मुंबई आ गए। शुरूआती दिनों में उनके पास रहने की जगह भी नहीं थी। वह अपने डॉक्टर दोस्त के साथ कईएक हॉस्पिटल के हॉस्टल में रहे और ऑडिशन देते रहे। ट्रेन में गाने से कमाए पैसे-फिल्म स्टार बनने से बहुत

बाद आयुष्मान ने एक के बाद एक ऐसे विषय चुने, जिनसे मुख्यधारा के कई अभिनेता दूरी बनाते रहे। 'बरेली की बर्फी' में छोटे शहर की कहानी, 'शुभ मंगल सावधान' में इरेक्टाइल डिस्फंक्शन जैसा संवेदनशील विषय, 'अंधाधुन' में ब्लाइंड पियानो प्लेयर, 'बधाई हो' में उम्रदराज माता-पिता की प्रेनेंसी, 'आर्टिकल 15' में जातिगत भेदभाव, 'ड्रीम गर्ल' में फोन पर लड़की की आवाज निकालने वाला युवक और 'बाला' में समय से पहले बाल झड़ने की समस्या जैसे विषय सामने आए। यहीं से आयुष्मान की एक अलग तरह की फिल्मी पहचान बनने लगी। आयुष्मान कहते हैं कि उनका पूरा करियर रिस्क से बना है और वह सामान्य कमर्शियल फिल्म में खुद को आसानी से नहीं देख पाते। 'अंधाधुन' और 'बधाई हो' ने स्टारडम मजबूत किया:-2018 आयुष्मान के करियर के सबसे महत्वपूर्ण सालों में रहा। 'अंधाधुन' ने उन्हें अभिनेता के तौर पर नई ऊंचाई दी, जबकि 'बधाई हो' ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की। 'अंधाधुन' ने भारत के अलावा चीन में भी जबरदस्त कारोबार किया। वहीं 'बधाई हो'



बाद लगातार तीन फिल्मों नहीं चलीं। फिर 'दम लगा के हईशा' से करियर ने दोबारा रफ्तार पकड़ी। इसके बाद 'बरेली की बर्फी', 'शुभ मंगल सावधान', 'अंधाधुन', 'बधाई हो', 'आर्टिकल 15', 'ड्रीम गर्ल' और 'बाला' जैसी फिल्मों ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। चंडीगढ़ में हुआ जन्म, पिता ज्योतिषी-आयुष्मान खुराना का जन्म 14 सितंबर 1984 को चंडीगढ़ में हुआ। उनकी शुरूआती पढ़ाई चंडीगढ़ के सेंट जॉन्स हाई स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ से इंग्लिश लिटरेचर की पढ़ाई की और पंजाब यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ कम्प्युनिवेशन स्टडीज से पत्रकारिता में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। उनके पिता पी. खुराना जाने-माने ज्योतिषी थे, जबकि मां पूनम खुराना ने हिंदी में एमए किया था। परिवार का माहौल पढ़ाई, साहित्य और कला से जुड़ा रहा। आयुष्मान ने कॉलेज के दिनों में थिएटर किया और दो थिएटर ग्रुप भी बनाए। डॉक्टर बनने का सपना था, डेंटिस्ट की सीट भी मिली थी-एक्टिंग की दुनिया में आने से पहले आयुष्मान ने डॉक्टर बनने का सपना देखा था। उन्होंने 11वीं में साइंस की थी और कर्नाटक के एक डेंटल कॉलेज में उन्हें सीट भी मिल गई थी। लेकिन तभी उनका रुझान थिएटर की तरफ बढ़ा। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर आर्ट्स और थिएटर चुना। डीएवी कॉलेज में उन्होंने थिएटर ग्रुप बनाए और स्टार्टर प्ले किए। थिएटर में काम करते हुए आयुष्मान ने सामाजिक मुद्दों को समझा। यही अनुभव आगे चलकर उनकी फिल्मों के विषयों में भी दिखाई दिया। रोडीज जीते, लेकिन तुरंत मुंबई नहीं आए:-2004 में आयुष्मान ने एमटीवी रोडीज सीजन-2 जीता। इसके बाद उन्हें पहचान मिलने लगी, लेकिन उन्होंने तुरंत मुंबई जाकर फिल्मों में किस्मत नहीं आजमाई। पोस्ट ग्रेजुएशन के दौरान उन्होंने रेडियो में काम शुरू किया। बाद में वे एमटीवी के वीजे बने और कई शो होस्ट किए। फिल्मों में आने से पहले आयुष्मान ने अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान जैसे सितारों का इंटरव्यू भी लिया था। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि इन सितारों से बातचीत ने उन्हें समझने में मदद की कि स्टार भी आम इंसानों की तरह होते हैं। पिता ने कहा- अभी मुंबई जाओ, वरना दो साल नौकरी नहीं मिलेगी:-आयुष्मान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पढ़ाई पूरी करने

पहले आयुष्मान और उनके दोस्त ट्रेनों में परफॉर्म करते थे। उन्होंने बताया था कि कॉलेज के दौरान वे पश्चिम एक्सप्रेस में दोस्तों के साथ चढ़ते और अलग-अलग कोच में गाना-परफॉर्म करना शुरू कर देते थे। यात्रियों से मिलने वाले पैसे इकट्ठा किए जाते थे और आयुष्मान के मुताबिक, इतनी कमाई हो जाती थी कि दोस्तों ने उससे गोवा ट्रिप तक स्पॉन्सर की थी।इंडियन आइडल से भी हुए रिजेक्ट:-आयुष्मान का स्ट्रगल सिर्फ एक्टिंग ऑडिशन तक सीमित नहीं था। उन्होंने इंडियन आइडल-2 में भी हिस्सा लिया था, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह मुंबई राउंड तक पहुंचे थे और वहां उन्हें रिजेक्शन मिला। उनके मुताबिक, मुंबई आने से पहले भी उन्हें कई रिजेक्शन मिल चुके थे। 2012 में 'विककी डोनर' पहली ही फिल्म ने बदल दी जिंदगी:-2012 में आयुष्मान ने शुजित सरकार की 'विककी डोनर' से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म का विषय उस दौर के लिए काफी असामान्य था और आयुष्मान ने स्वर्ण डोनर का किर्दार निभाया। फिल्म सफल रही और आयुष्मान को रातोरात पहचान मिली। उन्हें फिल्म के लिए बेस्ट मेल डेब्यू के साथ किंगडिम सिंगिंग में हुई थी अवॉर्ड मिला। लेकिन पहली फिल्म की सफलता के बाद उनका सफर उतना आसान नहीं रहा, जितना बाहर से दिखाई देता था। पहली फिल्म के बाद लगातार तीन प्लॉप, करियर पर लगा ब्रेक:-'विककी डोनर' के बाद आयुष्मान को 'नोट'की 'साठा!', 'बेकूफिया' और 'हवाईजादा' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। खुद आयुष्मान ने माना कि 'विककी डोनर' के बाद वह काफी कन्फ्यूज थे। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किस तरह की फिल्में करनी चाहिए। उन्होंने बाद में बताया कि तीन लगातार फिल्मों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद उनका नजरिया बदला। 'दम लगा के हईशा' ने फिर बदली कहानी:-2015 में आई 'दम लगा के हईशा' आयुष्मान के करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट बनी। फिल्म में उन्होंने ऐसे लड़के का किर्दार निभाया जो पढ़ाई में कमजोर हैं और जिसकी शादी उससे ज्यादा पढ़ी-लिखी और वजनदार लड़की से हो जाती है। फिल्म की कहानी आम बॉलीवुड रोमांस से अलग थी और आयुष्मान की परफॉमेंस को खूब सराहा गया। आयुष्मान बताते



ने भारत में 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया। इसी दौर में आयुष्मान ने साबित किया कि कम बजट और असामान्य विषय वाली फिल्मों भी दर्शकों तक पहुंच सकती हैं। पत्नी ताहिरा ने स्क्रिप्ट चुनने में निभाई अहम भूमिका:-आयुष्मान और ताहिरा कश्यप की मुलाकात किशोरावस्था में हुई थी और दोनों ने 2008 में शादी की। ताहिरा लेखक, निर्देशक और किंगडिम प्रोफेशनल हैं। आयुष्मान कई बार बता चुके हैं कि फिल्म साइन करने से पहले वह ताहिरा की राय लेते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद वह ताहिरा को भी देते हैं। दोनों स्क्रिप्ट पर विस्तार से चर्चा करते हैं और मतभेद होने पर उसके फायदे-नुकसान देखते हैं।आयुष्मान ने ताहिरा को अपना 'लाइफ कोच' भी बताया है। सफलता के बाद भी प्लॉप का दौर आया:-आयुष्मान के करियर में सिर्फ सफलता नहीं रही। 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'अनेक', 'डॉक्टर जी' और 'एन एक्शन हीरो' जैसी फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर वैसी सफलता नहीं मिली, जैसी उनके सफल दौर में मिली थी। इससे साफ हुआ कि अलग विषय चुनने का मतलब हर बार बॉक्स ऑफिस सफलता की गारंटी नहीं है। लेकिन आयुष्मान ने अपने करियर की दिशा पूरी तरह नहीं बदली। उन्होंने अलग जॉनर और नए किर्दार आजमाने जारी रखे। 'हर फिल्म रिस्क थी, इसलिए अब डर नहीं सकता':-आयुष्मान के करियर की खास बात यही है कि उन्होंने शुरुआत ही एक रिस्की विषय से की थी। उनके शब्दों में- 'मेरी हर फिल्म रिस्क



नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेरी उम्र 24 साल है। मैं मास्टर्स की पढ़ाई कर रही हूँ। एक साल से रिलेशनशिप में हूँ। हमारे बीच बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। प्रॉकलम ये है कि मेरा बॉयफ्रेंड इंटीमेट होना चाहता है, लेकिन अभी मैं

फैसला आपकी मेंटल हेल्थ और रिश्ते, दोनों को नुकसान पहुंचा सकता है। आइए आपकी सिचुएशन को समझते हैं और सॉल्यूशन पर बात करते हैं। सबसे पहले 'नो' का मतलब समझिए- 'नो' का मतलब सिर्फ 'नो' है-बॉलीवुड की एक फिल्म



'इमोशनल मैनिपुलेशन' का सहारा लेते हैं। आपने लिखा भी

है। अपने साथ समझौता न करें- रिलेशनशिप में अपनी सीमाएं तय करना स्वार्थ नहीं, बल्कि सेल्फ-रिस्पेक्ट है। जो पार्टनर आपकी 'ना' का सम्मान नहीं कर सकता, उससे भविष्य में हेल्दी रिलेशनशिप की उम्मीद करना मुश्किल है। इस स्थिति से कैसे निपटें? अगर आप ऐसी दुविधा में हैं तो इन 4 स्टेप्स की मदद से स्थिति को संभाल सकती हैं- 1. आमने-सामने बैठकर बात करें- इशारों में बात करने की बजाय पार्टनर के साथ बैठकर बात करें। उसे स्पष्ट शब्दों में कहें- 'मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूँ और हमारे रिश्ते की कद्र करती हूँ, लेकिन अभी मैं इंटीमैसी के लिए मेंटली तैयार नहीं हूँ।' अगर आपके बीच वाकई अच्छी बॉन्डिंग है तो वह आपकी ईमानदारी का सम्मान करेगा, न कि आप पर दबाव बनाएगा। 2. अपनी प्राथमिकता तय करें- अमूमन लोग सोचते हैं कि 'ना' कहने से रिश्ता टूट जाएगा, लेकिन याद रखें कि खुद की मर्जी के खिलाफ जाकर कुछ करना प्यार नहीं, समझौता है। आपका मानसिक सुकून और आत्म-सम्मान सबसे ऊपर होना चाहिए। जो रिश्ता आपकी सहजता की कीमत मांगे, वह लंबे समय तक खुशी नहीं दे सकता। 3. पार्टनर की प्रतिक्रिया को नोटिस करें- 'ना' कहने के बाद यह जरूर देखें कि आपके पार्टनर का व्यवहार कैसा है। क्या वह आपकी बात मानकर आपको समय दे रहा है? या फिर नाराज हो रहा है? इमोशनल ब्लैकमेल कर रहा है या नजरअंदाज कर रहा है? उसकी यह प्रतिक्रिया आपको बताएगी कि वो आपसे प्यार करता है या सिर्फ अपनी जरूरतें पूरी करना चाहता है। 4. गिल्ट से पूरी तरह बाहर निकलें-कई बार लड़कियां 'ना' कहने के बाद खुद को दोषी महसूस करने लगती हैं। उन्हें लगता है कि उन्होंने पार्टनर का दिल दुखाया है। यह समझना जरूरी है कि अपनी बॉंडी और लाइफ पर आपका पूरा अधिकार है। 'ना' कहना आपका बुनियादी हक है। खुद को यह बताएं कि आपने कोई गलती नहीं की है।



इसके लिए तैयार नहीं हूँ। वो अलग-अलग तरीकों से कहता है, इंस्टिस्ट करता है और मुझे कन्विस करने की कोशिश करता है। मैं 'हां' बोलने के लिए तैयार नहीं हूँ और खुलकर 'ना' भी नहीं बोल पा रही हूँ। मैं उसे कैसे समझाऊं? इस सिचुएशन से कैसे डील करूँ? प्लीज गाइड मी।जवाब- सबसे पहले तो शुक्रिया, आपने जरूरी सवाल पूछा है। इससे बहुत लोगों को डिंसीजन मेकिंग में मदद मिलेगी। रिलेशनशिप में अच्छी बॉन्डिंग

है, 'पिका।' फिल्म के आखिरी सीन में अमिताभ बच्चन बतौर लॉयर कोर्ट में दलील देते हुए कहते हैं, 'नो का मतलब सिर्फ नो होता है।' दुनिया के हर शख्स, खासतौर पर पुरुषों को यह बात समझने की बहुत जरूरत है। नो का मतलब 'शायद' नहीं होता। नो का मतलब 'फिर कभी' नहीं होता। नो का मतलब 'बाद में' नहीं होता। नो का मतलब 'कल, परसों' नहीं होता। नो का मतलब सिर्फ 'नो' होता है।सहमति-

है कि पार्टनर तरह-तरह से इंस्टिस्ट करता है। यह प्यार नहीं, बल्कि कंट्रोलिंग का एक तरीका है। अगर किसी शर्त या दवाब के बाद पार्टनर 'हां' कहे तो उसका मतलब 'ना' ही होता है। इसे दोनों को समझना होगा। 'बात मानने' और 'कंसेंट' में बड़ा फर्क-रिश्ते में किसी की बात मान लेना और मन से राजी होना, दोनों में बड़ा फर्क है। फीमेल पार्टनर झगड़ा ठालने या सामने वाले की खुशी के लिए 'हां' कह देती हैं, लेकिन असल में तैयार नहीं होतीं। ऐसी मजबूरी में दी गई सहमति धीरे-धीरे रिश्ते में कड़वाहट घोल सकती है। समझिए कि किस 'हां' का मतलब 'कंसेंट नहीं है'- गर आप अपने मन और मूल्यों के खिलाफ जाकर पार्टनर को खुशी वगैरे लिए समझौता करती हैं तो यह 'सेल्फ-बिट्टेयल' (स्वयं को धोखा देना) है। इसका आपका व्यक्तिपर पहरा असर



पॉजिटिव इंटेंट है, लेकिन फिजिकल इंटीमैसी पूरी तरह आपकी सहजता और मानसिक तैयारी पर निर्भर है। इंटीमैसी कोई 'रिलेशनशिप टेस्ट' नहीं है, जिसे पास करना जरूरी ही है। एक हेल्दी रिश्ते में 'ना' का

इंटीमैसी की पहली और सबसे जरूरी शर्त-किसी भी रिश्ते में कंसेंट यानी सहमति को सही तरीके से समझना बहुत जरूरी है। यह सिर्फ एक बार 'हां' कहने तक सीमित नहीं होता। इसमें अपनी मर्जी, सहजता और कभी

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक

डॉ. दीपक अरोरा

द्वारा रामा प्रिंटर्स

53/25/1 ए बेली रोड

न्यू कट्रा प्रयागराज

(उ.प्र.) 211002 से

मुद्रित एवं सी-41युपी

एसआईडीसी औद्योगिक

क्षेत्र नैनी प्रयागराज।

संपादक/प्रकाशक

डा.पुनीत अरोरा

मो.नं.09415608710

RNINO.UPHIN/2016/63398

www.adhuniksaamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र में

प्रकाशित समस्त समाचारों के

चयन एवं सम्पादन हेतु

पी0आर0बी0 एड्ट के अन्तर्गत

उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न

समस्त विवाद इलाहाबाद

न्यायालय के अधीन ही होगा।